दैनिक
बढ़ता राजस्थान
संस्करण:टोंक,जयपुर, अलवर एवं कोटा
Since - 2004
/// कदम बढ़ाएं, सच के साथ
वर्ष : 12 | अंक : 176 टोंक | सोमवार , 24 फरवरी, 2025 | फाल्गुन, कृष्ण पक्ष एकादशी संवत्-2081 भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य :₹4.00 | पृष्ठ : 08
www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

भारत से हारा पाकिस्तान

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकता है

कोहली का **51** वां वनडे शतक
व सबसे तेज 14 हजार वनडे रन भी पूरे किये

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे मैच में पाकिस्तान को 6 विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने 2017 के चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में मिली 180 रन की हार का हिसाब बराबर कर दिया। दुबई में रविवार को पाकिस्तान ने 241 रन बनाए। भारत ने 42.3 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

भारत से विराट कोहली ने नाबाद 100, श्रेयस अय्यर ने 56 और शुभमन गिल ने 46 रन बनाए। कुलदीप यादव को 3 और हार्दिक पंड्या को 2 विकेट मिले। पाकिस्तान से सऊद शकील ने 62 और मोहम्मद रिजवान ने 46 रन बनाए। शाहीन शाह अफरीदी को 2 विकेट मिले। अबरार अहमद और खुशदिल शाह को 1-1 विकेट मिला।

विराट वनडे में सबसे ज्यादा 158 कैच पकड़ने वाले भारतीय बने। उन्होंने पारी में 15वां रन बनाते ही सबसे तेज 14 हजार वनडे रन भी पूरे कर लिए। कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट के तीसरे टॉप स्कोरर भी बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 27,483 रन हैं।

भारत की जीत के 2 हीरो

विराट कोहली : 100 रन की पारी खेली विराट कोहली ने 111 बॉल पर 100 रन की पारी खेली। वे रोहित शर्मा के आउट होने के बाद खेलने उतरे और भारतीय पारी को बांधे रखा। विराट ने अबरार के ओवर्स को संयम से निकाला, फिर तेजी से रन बनाए।

कुलदीप यादव : 3 विकेट झटके, डेथ ओवर्स में रन बनाने से रोका कुलदीप ने 3 विकेट झटके। उन्होंने डेथ ओवर्स में सलमान आगा, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के विकेट लिए। इससे पाकिस्तान की टीम डेथ ओवर्स में ज्यादा रन नहीं बना सकी।

पाकिस्तान की हार के 2 कारण

धीमी बैटिंग: पावरप्ले में 2 विकेट गंवाने के बाद पाकिस्तान ने मिडिल ओवर्स में बेहद धीमे बैटिंग की। मोहम्मद रिजवान और सऊद शकील ने 144 गेंद पर 104 रन की पार्टनरशिप की। टीम 11 से 40 ओवर के बीच 180 गेंद पर 131 रन ही बना सकी।

स्पिनर्स की कमी: पाकिस्तान ने प्लेइंग-11 में एक ही फुल टाइम स्पिनर अबरार अहमद को मौका दिया। जिन्होंने 10 ओवर में 28 रन देकर 1 विकेट लिया। बाकी स्पिनर्स उनका साथ नहीं दे सके। टीम ने स्क्वॉड में लेग स्पिन ऑलराउंडर शादाब खान को भी नहीं रखा।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जोधपुर का 17वां दीक्षांत समारोह

आमजन को त्वरित न्याय दिलाने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित : सीएम शर्मा

कहा : वकील का पेशा गरीब और वंचित की सेवा का अवसर

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अच्छा वकील कानून का ज्ञाता होने के साथ ही समाज के कमजोर वर्ग की आवाज भी बनता है। वकील का पेशा गरीब और वंचित वर्ग की सेवा के लिए बड़ा अवसर होता है। उन्होंने कहा कि इस पेशे ने अनेक महान राष्ट्र निर्माता दिए हैं। संविधान के मुख्य शिल्पी बाबा साहेब अंबेडकर भी वकील थे। इस संविधान के लिए राष्ट्र उनका ऋणी है। शर्मा रविवार को जोधपुर में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इस डिग्री को अपनी उपलब्धि के साथ एक महती जिम्मेदारी भी मानें।

समाज में न्याय की रक्षा और प्रसार के लिए विद्यार्थियों को काम करना है। इसके लिए कानून की शिक्षा के साथ गहरी समझ, संवेदनशीलता और सामाजिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों तक सीमित न रहें। वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें और अपने ज्ञान का उपयोग बेहतर, समृद्ध और सशक्त देश-प्रदेश बनाने में करें।

जोधपुर के राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का देश में खास स्थान

शर्मा ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन एक यादगार क्षण है। इस विश्वविद्यालय से विद्यार्थियों ने जो ज्ञान और कौशल हासिल किया है, वह उनको आगे बढ़ने में मदद करेगा तथा विधि क्षेत्र में भी सकारात्मक बदलावों का वाहक बनेगा। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय देश में एक खास स्थान रखता है। कानून के क्षेत्र में यहां के विद्यार्थियों ने देश और विदेश में पहचान बनाई है।

प्रदेश में पारदर्शिता से हो रही भर्तियां, युवाओं को मिल रहे रोजगार के अवसर

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। प्रदेश में पारदर्शिता से भर्तियां हो रही हैं तथा पांच वर्ष में 10 लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के संकल्प पर आगे बढ़ रहे हैं। आगामी वर्ष में 1.25 लाख सरकारी और 1.50 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे।

तीन नए आपराधिक कानूनों से की गई शीघ्र न्याय की व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के प्रयासों से तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किए गए हैं। इनके माध्यम से आपराधिक न्याय प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाकर पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने भी प्रदेश में नए कानूनों को लागू करने के लिए जरूरी कदम उठाए हैं और इनका समुचित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया है।

किरोड़ी बोले-अब भी मेरा फोन टैप हो रहा

सीआईडी पीछे लगी है,अब तो यह बंद होना चाहिए; एसआई भर्ती में सांप की मैय्या को कब पकड़ोगे?

बढ़ता राजस्थान

जयपुर/सांचौर। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि अब भी मेरे फोन टैप हो रहे हैं। मेरी जासूसी की जा रही है। अब भी कह रहा हूं कि फोन टैप हो रहा है, उसे सुधारो। बराबर मेरे पीछे सीआईडी लगी हुई है।

विधानसभा में गुरुवार को ही सरकार की तरफ से दिए गए जवाब में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा था कि किरोड़ीलाल मीणा का फोन टैप नहीं हुआ। अब किरोड़ी ने सरकार के जवाब के चौथे ही दिन फिर फोन टैप होने का दावा कर जवाब पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

किरोड़ी बोले- बराबर मेरे पीछे सीआईडी लगी हुई है

रविवार को सांचौर में माहेश्वरी धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए किरोड़ी ने कहा- मेरे को नोटिस मिला। मैंने कहा कि पहले राज के जो अधिकारी थे, जब मैं आंदोलन करता था तो मेरी सीआईडी करते थे। कहां जा रहा है, क्या कर रहा है, कौन सा आंदोलन करेगा। मेरा फोन टैप करते थे। किरोड़ी ने कहा- मैंने यही कहा था कि मेरे फोन टैप किए जा रहे हैं। मेरे पीछे सीआईडी लगाई जा रही है। पिछले राज के अधिकारी ज्यों के त्यों बैठे हैं। जो पहले मेरे फोन टैप करते थे, मेरा पीछा करते थे। पुलिस आ जाती थी, कभी सीआईडी आ जाती थी। मैंने कभी उसकी परवाह नहीं की, लेकिन अब तो वह बंद होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प बोले- हम यूक्रेन से अपना पैसा वापस लेंगे : रूस के खिलाफ जंग में जितनी मदद की, उसके बदले दुलर्भ खनिज और तेल मिले

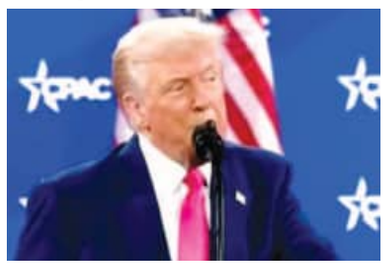

बढ़ता राजस्थान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध के तीन साल पूरे होने से दो दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन को युद्ध के लिए दिया गया पैसा वापस मांगा है। ट्रम्प ने शनिवार को कहा, 'मैं सिर्फ पैसा या उसके बदले कुछ सिक्योरिटी पाने की कोशिश कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि हमारी पैसों की मदद के बदलें वे लोग हमें कुछ दें। हम रेअर अर्थ मिनरल और तेल मांग रहे हैं। इसमें से जो भी वे हमें दे सकें। ट्रम्प ने दावा किया कि हम अपना पैसा वापस लेकर रहेंगे। मुझे लगता है कि हम कोई डील करने के बेहद करीब हैं। हमें जल्द से जल्द इस डील को फाइल करना होगा क्योंकि ये बहुत ही खराब स्थिति रही है।

ट्रम्प ने 500 बिलियन डॉलर के दुलर्भ खनिज मांगे थे

इससे पहले ट्रम्प ने कहा था 500 बिलियन डॉलर के रेयर अर्थ मटेरिलय (दुर्लभ खनिज) अमेरिका को देने होंगे। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी मदद के बिना यूक्रेन कमजोर पड़ जाएगा। इसके बाद रूस किसी भी दिन उसे अपने में मिला सकता है। रेयर अर्थ मटेरियल 17 एलिमेंट्स का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है।

मन की बात : 119वें एपिसोड

हर तरफ क्रिकेट की बात, भारत की स्पेस में सेंचुरी : मोदी

8 मार्च को इंस्पायरिंग वुमेन यूज करेंगी मेरे सोशल अकाउंट

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 119वें एपिसोड में स्पेस सेक्टर और नारी शक्ति का जिक्र किया। उन्होंने कहा- हर तरफ चैंपियंस ट्रॉफी और क्रिकेट का माहौल है। क्रिकेट में सेंचुरी का महत्व क्या होता है ये सब जानते हैं। भारत ने स्पेस में जो सेंचुरी लगाई है, उसका अलग महत्व है। इसरो की सफलता का दायरा बढ़ा है।

नारी शक्ति पर बात करते हुए मोदी ने कहा- हमारी संस्कृति में बेटियों का सम्मान सर्वोपरि रहा है। इस बार महिला दिवस पर मैं एक नई पहल करने जा रहा हूं। 8 मार्च को मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे ट्वीटर, इंस्टाग्राम के अकाउंट्स देश की कुछ इंस्पायरिंग वुमेन को एक दिन के लिए सौंपने जा रहा हूं। प्रधानमंत्री ने अपने 30 मिनट के प्रोग्राम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, खेलो इंडिया, वन्य जीवों और फिटनेस जैसे मुद्दों पर भी बात की। मन की बात कार्यक्रम महीने के आखिरी रविवार को लाइव होता है। पिछले महीने 26 जनवरी की वजह से पीएम का प्रोग्राम एक हफ्ते पहले प्रसारित हुआ था।

5 पॉइंट में पीएम के मन की बात...

1. स्पेस सेक्टर पर-इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है और हर तरफ क्रिकेट का माहौल है। क्रिकेट में सेंचुरी का रोमांच क्या होता है, ये तो हम सब भली-भांति जानते हैं। लेकिन आज मैं, आप सबसे क्रिकेट नहीं, बल्कि भारत ने स्पेस में जो शानदार सेंचुरी बनाई है उसकी बात करने वाला हूं।

2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर-एक और क्षेत्र है, जिसमें भारत तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रहा है -ये क्षेत्र है एआई यानि आर्टिफिशियल इंटीलिजेंसी हाल ही में, मैं एआई के एक बड़े सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पेरिस गया था। वहां दुनिया ने इस सेक्टर में भारत की प्रगति की खूब सराहना की। तेलंगाना में आदिलाबाद के सरकारी स्कूल के एक टीचर थोडासम कैलाश जी हैं।

3. नारी शक्ति पर-हमारी संस्कृति में बेटियों का सम्मान सर्वोपरि रहा है। देश की मातृ-शक्ति ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम और संविधान के निर्माण में भी बड़ी भूमिका निभाई है। इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूं, जो हमारी नारी-शक्ति को समर्पित होगी।

4. खेलो इंडिया पर -हमारे बहुत से खिलाड़ी खेलो-इंडिया अभियान की देन हैं। हिमाचल प्रदेश के सावन बरवाल, महाराष्ट्र के किरण मात्रे, तेजस शिरसे या आंध्र प्रदेश की ज्योति याराजी, सबने देश को नई उम्मीदें दी हैं। उत्तर प्रदेश के जैवलिन थ्रोअर सचिन यादव और हरियाणा की हाई जंपर पूजा और कर्नाटक की स्विमर धिनिधि देसिन्धु ने देशवासियों का दिल जीता।

5. वन्य जीवों पर-एशियेटिक लॉयन, हंगूल, पिग्मी होग्स में क्या समानता है? इसका जवाब है कि ये सब दुनिया में कहीं और नहीं पाए जाते हैं, केवल हमारे देश में ही पाए जाते हैं। मध्य भारत में कई जन जातियां बाघेश्वर की पूजा करती हैं। महाराष्ट्र में वाघोबा के पूजन की परंपरा रही है। भगवान अयप्पा का भी बाघ से गहरा नाता है। सुंदरवन में बोनबीबी की पूजा होती है जिनकी सवारी बाघ है। केरल के पुलिकली जैसे कई कल्चरल डांस हैं जो नेचर और वाइल्ड लाइफ के साथ जुड़े हुए हैं।

सम्पादकीय कार्यालय:-डी-38,चौमू हाउस,सी-स्कीम,जयपुर(राज.) 302001, बून्दी, झालावाड़, बांरा,बहरोड़,,सुजानगढ़, रावतभाटा,अजमेर, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर, सीकर, झुन्झुनू,खाटूश्याम जी, निम्बाहेड़ा, चूरू, धौलपुर, जौधपुर, उदयपुर, चाकसू,टोंक निवाई, पीपलू, मालपुरा, उनियारा, अलिगढ़, देवली, कोटपुतली, शाहपुरा, भरतपुर में प्रसारित

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर दिमागी गंदगी की सड़ांध

कुछ लोग ह्यूमर के नाम पर समाज में गंदगी फैला रहे हैं। ऐसा कंटेट प्रसारित कर रहे हैं जो चिंता का विषय है। विवाद बढ़ने के बाद ये अश्लील इंफ्लूएंसर अपनी करतूत पर माफ़ी मांग लेते हैं। सवाल यह है कि क्या इनकी शर्मनाक हरकत पर इनका माफ़ी मांग लेना काफ़ी है या बड़ा एक्शन होना चाहिये? सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की इंडियाज गॉट लैटेंट पर आपत्तिजनक टिप्पणियों की निंदा की। ऐसे लोगों को कानूनी तौर पर तो सजा मिलनी ही चाहिए, अगर जनता गंदगी परोसने वाले ऐसे चैनलों और मंचों का बहिष्कार करना शुरू कर दे तो यह उनके लिए सबसे बड़ी सजा होगी। गंदगी परोसने वाले ऐसे सारे कार्यक्रम जो ओटीटी, टीवी आदि पर हैं, सब बंद होना चाहिए। ऐसा वल्गर कंटेंट हमारे देश की संस्कृति को तबाह कर देगी। यह निंदनीय है और सभ्य समाज के लिए ग़लत भी। ऐसे लोग सनातन धर्म और हिंद संस्कृति का बेड़ागर्क कर रहे हैं। ऐसी घिनौनी मानसिकता वाले लोगों को देखना व सुनना, आज के समाज का भी कसूर है। ऐसे लोगों का सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने रणवीर इलाहाबादिया के शब्दों के पीछे छिपे गहरे मुद्दों को उजागर करते हुए इसे उनके दिमाग़ की गंदगी कहा। इलाहाबादिया के शब्दों की निंदा करते हुए कहा कि उसकी भाषा से माता-पिता और बहनों को शर्म आएगी। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, इलाहाबादिया की टिप्पणियों की विकृत प्रकृति से पूरा समाज शर्मिंदा महसूस करेगा। यह मामला डिजिटल युग में प्रभावशाली व्यक्तियों और सामग्री निर्माताओं की जिम्मेदारी के बारे में व्यापक चर्चा को जन्म देता है। वैसे भी सार्वजनिक हस्तियों को अपनी भाषा के प्रयोग के प्रति सचेत रहना चाहिए क्योंकि इससे सामाजिक मूल्यों पर असर पड़ता है। समाज पर ऐसे युवा प्रतीकों के प्रभाव को कम आंकना मूर्खतापूर्ण होगा, विशेषकर युवा मस्तिष्कों और स्वस्थ समाज की बुनियादी संस्कृति पर। क्या यह काफ़ी बड़ा नहीं है? यह पूछना कि शो का कोई प्रतियोगी किस चीज के लिए कितना शुल्क लेगा, क्या इससे युवाओं की एक पूरी पीढ़ी भ्रष्ट नहीं होगी? तर्कहीन ढंग से और समाज के प्रति किसी जिम्मेदारी के बिना कही गई बातें। क्या आपके बच्चे नहीं हैं और न ही आपको उनकी परवाह है। सच तो यह है कि मजाक के माध्यम से ऐसी अश्लीलता को सामान्य बनाना उसी मानसिकता को बढ़ावा देता है जो वास्तविक अपराधों को बढ़ावा देती है। समाज रातोंरात नहीं तबाह होता -इसकी शुरुआत असहनीय को सहन करने, घृणित को सिर्फ हास्य के रूप में नजरअंदाज करने और धीरे-धीरे नैतिक सीमाओं को ख़त्म करने से होती है। कानूनी कार्यवाही का मतलब सिर्फ़ व्यक्तियों को दंडित करना नहीं है। इसका उद्देश्य एक मिसाल क़ायम करना है कि कुछ चीजें स्वीकार्य नहीं हैं, चाहे लोग उन्हें कितना भी हास्यपूर्ण बताने की कोशिश करें। यदि वे सचमुच समाज को बेहतर बनाने के बारे में चिंतित हैं, तो उन्हें यह समझना चाहिए कि सांस्कृतिक पतन से लड़ना भी बड़े अपराधों से निपटने जितना ही महत्त्वपूर्ण है। यदि आप सोचते हैं कि हमें ऐसे घृणित मजाक को नजरअंदाज कर देना चाहिए और केवल वास्तविक अपराधों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, तो आप यह समझने में विफल हैं कि समाज कैसे काम करता है। विकृत और अपमानजनक हास्य को सामान्य मानने से नैतिक सीमाएँ कमजोर होती हैं और लोग अस्वीकार्य चीजों के प्रति असंवेदनशील हो जाते हैं। कॉमेडी में बिना किसी परिणाम के कुछ भी कहने की छूट नहीं है। खासकर तब जब यह बहुत ही विचलित करने वाले क्षेत्र में प्रवेश कर जाए। कानून गरिमा को बनाए रखने और बुनियादी शालीनता के क्षरण को रोकने के लिए मौजूद हैं। अगर आप यह सिर्फ़ एक मज़ाक है के नाम पर इसका बचाव कर रहे हैं, तो शायद असली मुद्दा यह है कि आप इस तरह की सामग्री के प्रभाव के प्रति बेपरवाह हो गए हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ़ कानूनी कार्रवाई बहुत ज़रूरी है। आपका यह तर्क कि हमें मजाक के बजाय वास्तविक अपराधों और समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए मूर्खतापूर्ण और अपरिपक्व दोनों है।

आज का इतिहास - बढ़ता राजस्थान

24 फरवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- पोप जूलियस द्वितीय ने 1510 में वेनिस के गणराज्य का बहिष्कार किया।
- शाही सेना ने 1525 में पाविया की लड़ाई में फ्रेंच को हराया।
- ऑस्ट्रिया के फर्डिनैंड बोहेमिया को 1527 में राजा के रूप में ताज पहनाया।
- प्रिंस जोहान विलियम फ्रिसो ने 1708 में ग्रोनिंगन के वायसराय के रूप में शपथ ली।
- करनाल में हुए युद्ध में फ़ारस पर सत्तासीन तुर्क नादिरशाह ने 1739 में मुग़ल शहंशाह आलम की सेना को हरा दिया।
- मैक्सिको 1821 में स्पेन से स्वतंत्र हुआ।
- दुनिया के पहले स्वामी नारायण मंदिर का 1822 में अहमदाबाद में उद्घाटन हुआ।
- संक्रामक बीमारी टीबी की पहचान 1882 में आज ही के दिन की गई थी।
- निकारागुआ ने 1894 में होंडुरास की राजधानी तेगुसिगालपा पर कब्जा किया।
- आजादी के लिए क्यूबा युद्ध शुरू होता है।
- सन 1918 में एस्टोनिया रूस से स्वतंत्रता की घोषणा की।
- ग्रीक संसद गणतंत्र की घोषणा 1924 में की।
- सन 1924 में महात्मा गांधी जेल से रिहा।
- डु पोंट ने 1938 में नायलॉन टूथब्रश का व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया।
- सन 1942 में वॉयस ऑफ अमेरिका में प्रसारण शुरू होता है।
- मिस्र और सीरिया ने 1945 में नाज़ी-जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- इजरायल और मिस्र ने 1949 में एक युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर करते हैं।
- इराक और तुर्की के बीच 1955 में बगदाद के समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- अमेरिका ने 1960 में ओलंपिक हॉकी फाइनल में 9-1 से हराकर जर्मनी को हराया।
- एक्सप्लोरर 10 सन 1961 में पृथ्वी की कक्षा तक पहुंचने में विफल रहता है।
- पूर्व जर्मन राष्ट्रपति उलब्रिक्ट ने 1965 में मिस्र का दौरा किया।
- रेक्कन, स्विटजरलैंड में 1970 में हिमस्खलन में 29 स्विस सेना अधिकारियों की मौत।
- सन 1971 में अल्जीरिया फ्रांसीसी तेल कंपनियों का राष्ट्रीयकरण हुआ।
- क्यूबा 1976 से अपना संविधान अपनाता है।
- उत्तर और दक्षिण यमन के बीच 1979 में युद्ध शुरू।
- 1984 में इराक के ईरान पर हवाई हमले शुरू।
- टेक्सास एयर पूर्वी एयरलाइंस को 1986 में 676 मिलियन डॉलर में खरीदा है।
- मेग मॉलोन ने 1996 में एलपीजीए कप ओ 'नूडल्स हवाईयन लेडीज गोल्फ ओपन जीता।

विशेष आलेख

भाजपा द्वारा बिछाई गई बिसात में नीतीष के सपने पूरे हो सकेगें?

- रामस्वरूप रावतसरे

बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार को सबसे बड़े ''सियासी सौदेबाज'' कहा जाता है। समय के साथ भाजपा और आरजेडी से ''डील'' करते रहते हैं। यही कारण है कि समय के साथ दोस्त और विरोधी भी बदलते रहते हैं। बदलते समय के साथ नीतीश कुमार अपनी राजनीतिक विरासत को सुरक्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण भाजपा है। बिहार में भाजपा की बढ़ती ताकत से परेशान नीतीश कुमार जेडीयू की भविष्य को सुरक्षित करने को निशांत वाला दांव खेलना चाहते हैं। ताकि भाजपा का सपना बिहार में सपना ही रहे।

बिहार का राजनाात म नाताश कुमार का वह नाम है जिसे समझना और जानना, मुश्किल ही नहीं नामुमकिन बताया जाता है। नीतीश कुमार के साथ सियासत करने वाले भी कहते हैं कि अन्य नेताओं के सियासी चाल को आप देर-सबेर जान जाते हैं, लेकिन जेडीयू अध्यक्ष का अगला दांव क्या होगा, जानना नामुमकिन है। शायद यही कारण है कि आरजेडी प्रमुख लालू यादव गाहे-बगाहे कहते रहते हैं ''नीतीश के पेट में दांत है,'' और उस दांत को कब एक्शन में लाना है, इसका फैसला सिर्फ नीतीश कुमार सही समय पर लेते हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि हम नीतीश और दांत की बात क्यों कर रहे हैं, तो हम आपको बताते हैं।

बिहार की राजनीति में आजकल नीतीश कुमार के बाद सबसे अधिक चर्चा हो रही है, उस शख्स का नाम निशंत कुमार। निशांत कुमार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे हैं। चर्चा है कि निशांत अपने पिता की सियासी विरासत को संभालने को तैयार हैं। यूं कहा जाए तो नीतीश कुमार ने तैयार कर दिया है और सिर्फ लॉन्च करना है। दरअसल, कुछ दिन पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने विधानसभा चुनाव में अपने पिता का समर्थन करने की जनता से अपील की। यही से उनके राजनीति में आने की अटकलें तेज हो गई। भारतीय राजनीति में परिवारवाद नया नहीं है। उत्तर प्रदेश और बिहार के यादव परिवारों से लेकर महाराष्ट्र के ठाकरे परिवार तक, क्षेत्रीय दल अपनी निरंतरता बनाए रखने के लिए पारिवारिक नेतृत्व पर निर्भर रहे हैं। दूसरी पंक्ति के नेतृत्व के बजाय पारिवारिक उत्तराधिकार को प्राथमिकता दी जाती है। अब तक नीतीश कुमार इससे बचते रहे हैं। लेकिन जब से निशांत कुमार का नाम सामने आया है तब से चर्चा हो रही है कि एक और परिवार अब सियासी विरासत की ओर अग्रसर है। हालांकि अभी तक सीएम नीतीश की ओर से इसको लेकर कोई ऐलान नहीं किया गया है। प्रदेश के नेतृत्व में वर्तमान में दो राजनीतिक उत्तराधिकारी हैं। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के तेजस्वी यादव और लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के चिराग पासवान। निशांत का राजनीति में आते ही युवा मतदाताओं के लिए एक नए खिलाड़ी के रूप में एक और चेहरा मिल जाएगा। लेकिन यह उन लोगों को भी अलग-थलग कर सकता है जो वंशवादी राजनीति से मोहभंग हो चुके हैं। इसके अलावा, नीतीश कुमार की उत्तराधिकार योजना को वंशवादी राजनीति की ओर ले जा सकता है, जिससे जेडीयू अध्यक्ष अभी तक बचे हुए हैं। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि नीतीश कुमार का यह फैसला जेडीयू को जिंदा रखने का प्रयास भी हो सकता है। बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार की पहचान ''पलटीमार'' की तौर पर भी है। 2013 में भाजपा के साथ 17 साल पुरानी साझेदारी को समाप्त करने से लेकर 2015 में आरजेडी और कांग्रेस में शामिल होने, 2017 में भाजपा के साथ फिर से गठबंधन करने और 2022 में आरजेडी के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौटने, और फिर 2024 में एनडीए में फिर से शामिल होने तक का है। राजनीतिक ''यू-टर्न'' ने नीतीश कुमार को एक राजनीतिक उत्तरजीवी के रूप में ''आलोचना और सम्मान'' दोनों मिला है। हालांकि, इस तरह के पैंतरेबाजी ने बिहार की राजनीति में जेडीयू के भविष्य की स्थिरता और प्रासंगिकता पर भी सवाल उठाए हैं। शायद नीतीश कुमार भी जानते हैं कि उनके बाद पार्टी में सियासी कोहराम मचना तय है। यही कारण है कि समय रहते वे निशांत वाला दांव चलना चाहते हैं। ताकि भविष्य में जेडीयू किंग ना भी बने तो किंग मेकर की भूमिका में तो रहे ही। जानकरों की माने तो नीतीष कुमार के मिषन को भाजपा षायद ही सफ्ल होने देगी ? क्योंकि जिस प्रकार भाजपा ने हरियाणा, महाराष्ट्र और उसके बाद दिल्ली में जीत हासिल की है। उसके अनुसार वह बिहार में भी अपना भगवा ही फ्हराना चाहती है। उसके लिए भाजपा ने इस प्रकार के कदम उठाये है कि नीतीष को आभास ही नहीं होने दिया जा रहा है कि उसके वोट बैंक में सेंध लगा दी गई है। भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक वैभव और मुगल से संघर्ष के प्रतीक महापुरुष शिवाजी को चुनावी धार पर चढ़ा डाला। बिहार विधानसभा जंग की फ्त्ह को लेकर सक्रिय भाजपा इस चुनाव में बाजी दर बाजी चल रही है। शिवाजी की जयंती भाजपा पहले भी मनाती रही है और यह राष्ट्रीय गौरव शिवाजी के लिए सम्मान का विषय ही साबित होता रहा है। पर इस बार शिवाजी की जयंती को राजनीतिक अंदाज में मनाते शिवाजी की एक जाति विशेष के खांचे में डाल दिया। बिहार विधानसभा के चुनावी जंग में भाजपा हर उस गोलबंदी पर विशेष फोकस कर रही है जो उसके लिए वोट प्राप्ति का कारण बन सके। अपनी इस मुहिम में भाजपा की एक कोशिश अपने आधार वोट को पुख्ता करने की भी हो रही है। भाजपा ने इस उद्देश्य को ध्यान में रख कर शिवाजी को कुर्मी फेल्ड में कर एक तरह से नीतीश कुमार के आधार वोट में सेंधमारी की कोशिश भी कर डाली।

मनुष्य का विकल्प नहीं हो सकती है एआई

- सुनील कुमार महला

आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जमाना है।सच तो यह है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) दुनिया भर के उद्योगों और अनेक समाजों में आज तेजी से क्राति ला रही है, तथा आज की डिजिटल अर्थव्यवस्था में चल रही तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एक जानकारी के अनुसार भारत और संयुक्त अरब अमीरात में 90% से अधिक उपभोक्ता चैटजीपीटी से परिचित हैं, जबकि चीन और सऊदी अरब में जागरूकता का स्तर 80% से अधिक है। इस क्रम में हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट 2025 की सह-अध्यक्षता करने के लिये फ्रांस का दौरा किया।

पेरिस एआई एक्शन समिट 2025 के मुख्य विषय क्रमश: सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों के लिये खुले एआई बुनियादी ढाँचे का विकास करना,निरंतर सामाजिक संवाद के माध्यम से एआई का उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना,विशेष रूप से रचनात्मक उद्योगों के लिये सतत् एआई पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना, एआई सुरक्षा और संरक्षा पर वैज्ञानिक सहमति स्थापित करना तथा एक समावेशी और प्रभावी अंतर्राष्ट्रीय एआई शासन ढाँचे को आकार देना थे।भारत ने ओपन-सोर्स और सतत् एआई की वकालत की, स्वच्छ ऊर्जा और कार्यबल के कौशल विकास पर ज़ोर दिया। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि आज ए.आई. वर्चस्व के लिए भयंकर वैश्विक लड़ाई छिड़ी हुई है। सच तो यह है कि आज दुनिया भर के देश एआई में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं, तथा इसे भविष्य की आर्थिक और सैन्य ताकत की आधारशिला के रूप में पहचान रहे हैं। जानकारी के अनुसार चीन ने वर्ष 2030 तक एआई में 150 बिलियन डॉलर निवेश करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, वहीं दूसरी ओर रूस ने वर्ष 2021 और 2023 के बीच इसके लिए 181 मिलियन डालर आवंटित किए हैं।इसी क्रम में सऊदी अरब ने हाल ही में 40 बिलियन डालर के ए.आई. फंड की घोषणा की है। जानकारी के अनुसार संयुक्त राज्य अमरीका ने संघीय एआई अनुबंधों में नाटकीय उछाल देखा, जो वर्ष 2022 में 355 मिलियन डालर से बढ़कर वर्ष 2023 में 4.6 बिलियन डालर हो गया।जानकारी मिलती है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में वर्ष 2030 तक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की 19.9 ट्रिलियन डॉलर की हिस्सेदारी होगी। यह आंकड़ा जहां एआई के बढ़ते प्रभाव का इशारा कर रहा है, वहीं यह आंकड़ा इस बदलते दौर में भारत के संभावित प्रभुत्व का भी संकेत देता है कि वर्तमान में दुनिया को 16 प्रतिशत एआई टैलेंट भारत ही दे रहा है। इतना ही नहीं, लगभग 75त्न उत्तरदाता चैटजीपीटी या अन्य एआई-संचालित सेवा का उपयोग कर रहे हैं, विशेष रूप से भारत जैसे बाजारों में, जहां चैटजीपीटी जैसे एआई उपकरणों का उपयोग करने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत सबसे अधिक 45त्न है। आंकड़े बताते हैं कि एआई में वैश्विक निजी निवेश 2022 में 91.9 बिलियन डॉलर है और 2025 तक 158.4 बिलियन डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि स्टैनफोर्ड की 2024 एआई इंडेक्स रिपोर्ट ने उन शीर्ष देशों की पहचान की है, जिन्होंने पिछले दशक में एआई स्टार्टअप में सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि का अनुभव किया है। इनमें क्रमश: यूएस, चीन,यूके, इजरायल, कनाडा, फ्रांस, भारत, जापान, जर्मनी और सिंगापुर शामिल हैं। आज पूरी दुनिया एआई के लाभों को देखते हुए लगातार इस क्षेत्र में आगे बढ़ रही है लेकिन एआई के खतरे भी हैं। ये व्यक्तियों, संगठनों और पूरे समाज को प्रभावित कर सकते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि एआई सिस्टम की जटिलताएँ अनपेक्षित परिणाम, पूर्वाग्रह,

शख्सियत - बढ़ता राजस्थान

डॉ.सुनील चौहान
(पीएमओ,अलवर)

नमस्कार साथियों हमारी आज की शख्सियत कॉलम के स्टार हैं अलवर के राजकीय सामान्य चिकित्सालय के पीएमओ डॉ.सुनील चौहान। 1964 श्रीगंगानगर में जन्में डॉ.सुनील चौहान बहुत ही बेहतरीन प्रमुख चिकित्सा अधिकारी के रूप में जाने जा रहे हैं। अपने कुशल व्यवहार व कुशल जीवन शैली के कारण उनका एक अलग ही स्थान है। प्राथमिक शिक्षा कक्षा प्रथम से मिडिल तक तो मुण्डावर अलवर में हुई उसके बाद हायर सेकेंडरी तक हरसौली पढ़ाई की उसके बाद राजर्षि महाविद्यालय से पढाई की और मेडिकल में प्रवेश ले लिया। जहां सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर से एमबीबीएस और एमएस 1981 से 1991 तक चिकित्सा क्षेत्र की पढ़ाई पूर्ण की उसके बाद मार्च 1992 से सरकारी सेवा में रहकर जनता को चिकित्सा सुविधाओं का लाभ दिला रहे हैं। सबसे पहले पीएचसी उच्चैन भरतपुर 1993 से 2001 सीएचसी थानागाजी संभाला जहां के लोग आज भी इन्हें याद करते हैं। सीएचसी बिसाऊ झुंझुनू में जे.एस नेत्र विज्ञान के रूप में इन्हें पदोन्नत किया गया। डीएच अलवर में 2002 से जारी है जहां अलवर में पीएमओ जैसे बड़े पद को सुशोभित किया हुआ है। इसका मूल उद्देश्य यही है कि हमें जिस कार्य के लिए ईश्वर ने लगाया हुआ है कम से कम हम उसे बेहतरीन ढ़ंग से सम्पादित करें। अलवर में पीएमओ जैसे बड़े पद पर आसीन हैं और लोगों की अनवरत मदद जारी है। शख्सियत कॉलम के माध्यम से उन्होंने कहा है कि हम नेक व ईमानदारी से अपना कार्य करें तो ही हम अपने कर्त्तव्य पद के बोध को महसूस कर पाऐंगे। आज भी पूर्ण व्यस्तता के बावजूद मरीजों की आँखों का ऑपरेशन करते हैं। सबकों साथ लेकर चलने और सरकार की कल्याणकारी चिकित्सा सुविधाओं की योजना को पूर्ण लागू करवाने में पूरी तरह कटिबद्ध हैं। दैनिक बढ़ता राजस्थान की टीम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

- रूपक शर्मा

2025_053 a - बढ़ता राजस्थान

Ans_2025_052

Suduko

9	8					3	4	5
3				8				
		2	9	4	3	7		8
5					4			6
4	2				5	9		7
				9	6		5	
7	4						8	9
	1	8	6	7		5	3	
		9			8	2	7	1

9	8	1	5	2	6	4	3	7
4	7	6	9	1	3	2	5	8
5	2	3	4	8	7	6	1	9
2	9	5	3	4	1	7	8	6
3	6	8	2	7	5	9	4	1
1	4	7	6	9	8	5	2	3
8	5	9	1	6	2	3	7	4
7	3	4	8	5	9	1	6	2
6	1	2	7	3	4	8	9	5

कैसे खेलें

वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारस्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है। आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। नौकरी में कार्यभार रहेगा। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

वृष

पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। आय में निश्चितता रहेगी।

मिथुन

राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई नई समस्या आ सकती है।

कर्क

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें।

सिंह

शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या

आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है।

तुला

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे।

वृश्चिक

राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। अनहोनी की आशंका रहेगी।

धनु

प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे।

मकर

आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कुंभ

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है।

मीन

घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी। व्यवस्था में मुश्किल होगी। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी।

श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन की कथा प्रसंग में सुदामा चरित्र लीला की

श्रद्धालुओं से कहा कि आपकी अनुभूति ही ईश्वर है और आपकी आत्मा ही मंदिर है : कथावाचक बिहारी महाराज

विवेक भारद्वाज ने मनमोहक झाकियां बना कर सभी भक्त गणों को मंत्र मुग्ध किया

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविन्द सिंह सेठी)। पटेल नगर में स्थित शिवालय मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा की सप्तम दिवस के दिन कथा में परम पूज्य गुरुदेव कृष्ण बिहारी जी महाराज ने कृष्ण सुदामा की मित्रता के बारे में बताते हुए कृष्ण सुदामा की लीला का वर्णन भी किया । श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन की कथा प्रसंग में सुदामा चरित्र, नव योगेश्वर संवाद, दत्तात्रेय की गुरुओं का वर्णन, ज्ञान भक्ति योग तथा सप्त दिवसीय कथा का सार भक्तों को सुनाया और कृष्ण सुदामा का मिलन लीला करके दिखाया कथा परीक्षित बने सनी जी सेठी एवं धर्मपत्नी कीर्ति सेठी ने शुकदेव जी की विदाई की ।सभी भक्तों ने कथा के माध्यम से अपने जीवन में अच्छे कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्थानीय गौतम हितकारी संस्थान संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष सतनारायण सरसडी राजेंद्र शर्मा घटियाली संवेदक रामसहाय शर्मा ने कथावाचक व्यास पीठ कृष्ण बिहारी जी महाराज का माला साफा पहनाकर सम्मान किया तो वहीं संवेदक राम सहाय शर्मा और सत्यनारायण सरसडी फूलचंद कुमार पुजारी प्रभु लाल शर्मा रोहिताश मीणा जगदीश मीणा ने श्रीमद् भागवत कथा मंच के मंचासीन सहयोगीयो का भी सम्मान किया । इस अवसर पर व्यास पीठ कृष्ण बिहारी महाराज ने पंडाल में मौजूद श्रद्धालुओं से कहा कि आपकी अनुभूति ही ईश्वर है और आपकी आत्मा ही मंदिर है । हर व्यक्ति को ठाकुर जी का नितनेम सिमरन करना चाहिए । इससे आष्ठा से जुड़े श्रद्धालु व्यक्तियों का शरीर और आत्मा शुद्ध होती है। इस संसार में भगवान ने हमें भेजा है।

इस वजह से इसमें प्रेम लूटते ओर लुटाते रहो। क्रोध इंसान को समाप्त कर देता है। यह जो जीव जगत संसार है यह भगवान की सुंदर रचना है । हमें इसका संरक्षण करना चाहिए। अहिंसा परम धर्म है पंडित विवेक भारद्वाज एवं कुलदीप जी शर्मा ,अरुण जी शर्मा, मुकुट जी शर्मा ने बताया कि आज की प्रथम प्रसंग में बिहारी जी महाराज ने मनुष्य को कर्म करते रहने की सलाह दी क्योंकि सत्कर्म ही इस संसार का परम सत्य है। और कर्मों की तराजू धर्म है , इस दौरान पंडित विवेक भारद्वाज ने मनमोहक झाकियां बना कर सभी भक्त गणों को मंत्र मुग्ध किया, तो वहीं कथा में कृष्ण लीला के भजनों पर पंडाल में मौजूद महिला और पुरुष श्रद्धालु झूम उठें और कथा के समापन तक नाचते रहे । उल्लेखनीय की श्रीमद् भागवत कथा आयोजक सनी सेठी एवं सेठी परिवार ने कथा की पूर्णाहुति के बाद सभी भगवतप्रेमियों को भोजन प्रसादी करवा कर सभी का आशीर्वाद लिया ।

क्षेत्र में विकास के लिए स्थापित होंगे नए आयाम : रामसहाय वर्मा

नवीन सडक़ों हेतु 9 करोड़ 57 लाख रुपए स्वीकृत होने पर विधायक रामसहाय वर्मा का ग्रमीणों ने किया स्वागत

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। ग्राम पंचायत श्रीरामपुरा के गांव सीपुरा, कुरावदा, बीड ढ़ाणी, लूनेरा व श्रीरामपुरा के ग्रामीणों ने बजट सत्र 25-26 के लिए घोषित नवीन डामर सडक़ों हेतु 9 करोड़ 57 लाख रुपए स्वीकृत होने पर विधायक रामसहाय वर्मा का माला साफा पहनाकर स्वागत करके मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व विधायक वर्मा का आभार व्यक्त किया। विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में दूसरा बजट ऐतिहासिक रहा है। इसमें सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बिना भेदभाव के सभी विधायकों को बजट में लाभ दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार डबल इंजन की सरकार द्वारा लगातार प्रदेश में नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। निवाई पीपलू विधानसभा क्षेत्र में विकास की कोई कमी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास के लगातार नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से दूर किया जा रहा है। भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवराज लांगडी ने कहा कि बजट सत्र में 9 करोड़ 57 लाख रुपए की डामर रोड स्वीकृत करने से हजारों लोगों को लाभ मिलेगा। कई वर्षों से सडकों की समस्या को लेकर ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जिसकों लेकर सैंकड़ों ग्रामीणों ने उत्साह पूर्वक विधायक रामसहाय वर्मा का माला व साफा पहनाकर आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर महामंत्री बुद्धराम मीणा गोरधनपुरा, श्रीरामपुरा सरपंच शिवजीलाल गुर्जर, राकेश बैंसला, गुमान सिंह, नारायण सिंह, प्रहलाद गुर्जर, कैलाश सिंह, जगदीश मीणा, बाबूलाल मीणा, बन्नालाल चौधरीए व राजेश मीणा सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

दादा गुरूदेव का 692वां स्वर्ग जयन्ती समारोह 26 व 27 को

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। मालपुरा के टोडा रोड स्थित श्री जिन कुशल सूरी जैन दादाबाड़ी में श्री जैन श्वेताम्बर खतरगच्छ संध के तत्वावधान में दादा गुरूदेव का 692वां दो दिवसीय स्वर्ग जयन्ती समारोह व भव्य मेले का आयोजन 26 च 27 फरवरी को होगा। संघ अध्यक्ष प्रकाशचन्द लोढ़ा , महामंत्री देवेन्द्र कुमार मालू व सांस्कृतिक मंत्री राजकुमार बेगानी ने संयुक्त रूप से बताया कि संजय कुमार संगीता,राजीव कुमार वर्षा, रिषभ रूचि,नमन बदलिया परिवार व पूजा सौमिल, रेयान, पूर्वी रिषभ, आरती अशोक सुराणा परिवार निवासी कोलकाता के सहयोग से दो दिवसीय मेले के प्रथम दिन 26 फरवरी बुधवार को प्रात: 10 बजे दादा गुरूदेव की पंच कल्याणक पूजा व रात्रि में विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। भजन संध्या में भजन गायक लवेश बुराड़, वैभव बागमार व मोहित बोथरा सहित अन्य कई कलाकार सम्पूर्ण रात्रि भजन प्रस्तुत करेगें। उन्होंने बताया कि मेले के दूसरे दिन 27 फरवरी गुरूवार को सुबह 6.30 बजे भक्तामर पाठ, 8 बजे नकारसी, 8.30 बजे पक्षाल पूजन, 9 बजे स्नात्र पूजा व 10.30 बजे दादा गुरूदेव की बड़ी पूजा के साथ मेले का समापन होगा।

महाशिव रात्रि पर होगा दो दिवसीय मेले का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। मालपुरा के प्राचीन ब्रह्म तालाब के मध्य स्थित श्री छतरेश्वर महादेव मन्दिर में महाशिवरात्रि पर्व के दो दिवसीय मेले का आयोजन 25 व 26 फरवरी को होगा। श्री छतरेश्वर महादेव मन्दिर विकास समिति के अध्यक्ष पवन जैन संगम ने बताया कि 25 फरवरी को दोपहर 2 बजे महेश सेवा सदन शिव बारात निकाली जाएगी। शिव बारात का मुख्य आकर्षण अलवर की पार्टी की होगी। समिति महामंत्री लेखराज सोनी ने बताया कि इसी क्रम में 26 फरवरी महाशिवरात्रि के दिन मन्दिर में विद्धान पण्डितो द्वारा भगवान शंकर की पूजा कराई जाएगी। महाशिवरात्रि के पर्व पर मन्दिर परिसर में भगवान शंकर की आकर्षक फूल बंगला झांकी सजाई जाएगी। साथ ही शाम के समय भगवान शंकर की महाआरती होगी। इस मौके पर कई आकर्षक सजीव झाकियां भी सजाई जाएगी।

जलदाय मंत्री ने किए पशुपतिनाथ महादेव मन्दिर के दर्शन

खुशहाली की कामना का मांगा आर्शिवाद

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। प्रदेश के जलदाय मंत्री व क्षैत्रीय विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने मालपुरा से अजमेर की ओर जाने वाले मुख्य सड़क मार्ग पर बागड़ी गांव के आगे स्थित सुविख्यात भोपालाव जी मन्दिर स्थित जोधपुर दरबार बख्तसिंह व पशुपतिनाथ महादेव के दर्शन कर खुशहाली की कामना की। जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी अपने मालपुरा क्षैत्र के प्रवास के दौरान जनसुनवाई कार्यक्रम में शिरकत करते समय भोपोलाव जी मन्दिर पहुंचे। यहां चौधरी ने जोधपुर दरबार बख्तसिंह सहित अति प्राचीन भगवान पशुपतिनाथ महादेव मन्दिर में पूर्ण विधि विधान से पूजा अर्चना की। साथ ही मालपुरा क्षैत्र सहित सम्पूर्ण प्रदेश के लिए खुशहाली, सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष जिनेन्द्र मेन्दवास्या सहित अन्य कई क्षेत्रीय भाजपाई व शिव भक्त मौजुद रहे। चौधरी के पूजा अर्चना के बाद मन्दिर समिति की ओर से चौधरी का स्वागत सम्मान किया गया। गौरतलब है कि जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी भगवान शंकर के परम भक्त है। साथ ही चौधरी में धर्म के प्रति अटूट आस्था है। जलदाय मंत्री चौधरी के टोडारायसिंह के पहाड़ो पर स्थित श्री किलेश्वर महादेव के प्रति गहरी आस्था है। चौधरी जब भी टोडारायसिंह प्रवास पर रहते हैं तो चौधरी अपने ईष्ट श्री किलेश्वर महादेव मन्दिर आवश्यक रूप से पहुंच कर पूजा करते हैं।

जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह आज

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर(राकेश शर्मा)। जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह 24 फरवरी को दोपहर 2 बजे से अपरान्ह 3:30 बजे तक कृषि विज्ञान केन्द्र करमोदा में आयोजित किया जाएगा। संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार राकेश कुमार अटल ने बताया कि जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह में 100 कृषकों का सम्मान किया जाएगा। वहीं पंचायत समिति सवाई माधोपुर, चौथ का बरवाड़ा, खण्डार, मलारना डूंगर, बौंली, गंगापुर सिटी एवं बामनवास में 50-50 कृषकों तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर 30 कृषकों का सम्मान किया जाएगा।

बाड़ोलास में किया श्रमदान हुआ नए कार्यों का भूमिपूजन

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर(राकेश शर्मा)। सवाई माधोपुर पंचायत समिति ग्राम बाडोलास में शनिवार को राज्य स्तरीय जलग्रहण यात्रा का कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में जयपुर से विभाग के निदेशक मोहम्मद जुनैद ने समस्त ग्रामीणों एवं महिलाओं के साथ जलग्रहण योद्धा की टी-शर्ट एवं कैप पहनकर श्रमदान किया। साथ ही पूर्ण कार्यों का लोकार्पण कर एवं नये कार्यो का भूमि पूजन किया। जलग्रहण यात्रा के मुख्य कार्यक्रम में निदेशक ने जल संरक्षण एवं पर्यावरण के प्रत ने हौसला अफजाई करते हुए ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि जलग्रहण सम्बंधी सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण होंगे तथा सभी को जल एवं भू संरक्षण की शपथ दिलायी। कार्यक्रम स्थल पर राजीविका एवं कृषि विभाग द्वारा विभिन्न उत्पादों के स्टॉल लगाये जिनका निरीक्षण निदेशक ने किया।

इस मौके पर उमेश चन्द गुप्ता, अधीक्षण अभियन्ता, जलग्रहण विकास विभाग, जिला सवाईमाधोपुर द्वारा जिले में चल रही परियोजना सम्बंधी सभी जानकारियों से ग्रामीणों को अवगत कराया एवं ग्रामीणों को जीवन में जल की महत्ता बताते हुए इसका संरक्षण करने की अपील की तथा विभागीय योजनाओं के पम्पलेट वितरित कराये। कार्यक्रम में नितिन शर्मा संयुक्त निदेशक प्रशासन (मुख्यालय), जयपुर भी शामिल हुए। कार्यक्रम के बाद निदेशक ने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के सम्बंधित सभी लाईन विभागों के साथ कार्यो की प्रगति की समीक्षा ली एवं निर्देश दिए कि जून तक सभी कार्य पूर्ण कराएं। साथ ही द्वितीय चरण की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) का कार्य दिनांक 28 फरवरी तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान का भाजपा शहर मंडल के तत्वावधान में किया भव्य स्वागत

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुना गया

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। रविवार को भाजपा शहर मंडल के तत्वावधान में हाउसिंग बोर्ड के सामने एक निजी प्रतिष्ठान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 119 वे कार्यक्रम को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक रूप से सुना गया। इस दौरान भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष चंद्रवीरसिंह चौहान का कार्यकर्ताओं द्वारा माला एवं साफा पहनाकर राजस्थानी परंपरा अनुसार भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता स्वयं को जिला अध्यक्ष समझ कर कार्य करें एवं जनहित के कार्य करवाए ।

उन्होंने कहा कि यदि किसी कार्यकर्ता के कहने पर प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कार्य नहीं करने पर जिले की टीम को अवगत करवाया जाए । इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष दिलीप ईसरानी, जिला मंत्री अंकुर गुप्ता, अरनिया मंडल अध्यक्ष शिवराज लांगडी, शहर महामंत्री करण सिंह, भाजपा नेता गणेश सिंह, रमाकांत शर्मा, देवराज गुर्जर, गोवर्धन जैन, जय नारायण कुमावत, राजेश चौधरी, जितेंद्र सेन, हंसराज गुर्जर, पार्षद दुर्गाशंकर सेन, नितिन छाबड़ा, रामबिलास बलाई युवा मोर्चा जिला महामंत्री लक्ष्मण चौधरी, नगेंद्र सिंह, टिंकू सिंह, विजय मनोरिया, रिंकू सिंह, रणेन्द्र खंगार, सत्यनारायण जायसवाल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जाट सेवा समिति की मीटिंग आयोजित

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। मालपुरा शहर के दूदू रोड स्थित ग्रामीण बालिका छात्रावास परिसर स्थित जाट सेवा समिति कार्यालय में समिति अध्यक्ष मोतीलाल कारवाल की अध्यक्षता में समिति की आवश्यक मीटिंग आयोजित हुई। रविवार को आयोजित मीटिंग के बारे में जानकारी देते हुए उप मंत्री दिनेश चौधरी ने बताया कि मीटिंग में समिति के सरंक्षक किशनलाल फगोड़िया, प्रधान सकराम चौपड़ा, कवि आर.एल.दीपक, रामकिशन भादू, शिवजीराम जाट, गोपीलाल गोदारा, लाभचन्द घायल, धन्नालाल सहित समिति के अन्य कई सदस्य मौजुद रहे। मीटिंग में समिति के लिए धन संग्रह की योजना को साकार करने व समिति के तत्वावधान में कराए जाने वाले निर्माण कार्यो की रूपरेखा पर विचार किया गया।

संत निरंकारी मंडल ने की मन्दिर की सफाई

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। संत निरंकारी मंडल ने अमृत प्रोजेक्ट के अन्तर्गत स्वच्छ जल स्वच्छ मन परियोजना के तीसरे चरण में रविवार को ब्रहत तालाब स्थित श्री छतरेश्वर महादेव मन्दिर की पूर्ण साफ सफाई की। मंडल मालपुरा शाखा के मुखी सुरेश कुमार वर्मा व मीडिया सहायक शंकरलाल वर्मा ने बताया कि सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सानिध्य में मंडल के सैकड़ो सेवादार श्री छतरेश्वर महादेव मन्दिर पहुंचे। यहां सभी सेवादारो ने मिलकर सम्पूर्ण परिसर की साफ सफाई कर स्वच्छ एवं सुन्दर बनाया।

मीडिया सहायक शंकरलाल ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वच्छ जल स्वच्छ मन के आदर्श वाक्य से प्रेरणा लेते हुए यह परियोजना सम्पूर्ण भारत देश के लगभग 1500 से भी अधिक स्थानो के 900 शहरो के 27 राज्यो और केन्द्र शासित प्रदेशो में एक साथ की गई।

उनियारा तहसील माली समाज की हुई सामूहिक पंचों की बैठक

30 अप्रैल आखातीज को माली समाज का होगा सामूहिक विवाह सम्मेलन, सम्मेलन समिति के अध्यक्ष रामस्वरूप सैनी को शीघ्र कार्यकारिणी विस्तार एवं गठन के लिए किया निर्देशित

बढ़ता राजस्थान

दूनी,(नि.स.)। उनियारा तहसील माली समाज के समस्त पचों की बैठक का आयोजन शनिवार रात्रि को किया गया। समाज के पंचों द्वारा बैठक के अध्यक्ष बद्री लाल भारती पचाला को चुना गया। बद्री लाल भारती द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई और आगामी 30 अप्रैल आखातीज में होने जा रहे माली समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन के संबंध में विचार विमर्श किया गया। बैठक में सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर सम्मेलन विवाह का स्थान माली समाज छात्रावास के पास खाली पड़ी हुई जमीन पर पूर्ण कार्यक्रम करने का प्रस्ताव रखा गया जिसमें समाज पंचों ने सहमति जताई एवं कार्यकारिणी के गठन के संबंध में भी प्रस्ताव रखा गया। सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन के मुख्य संरक्षक डॉक्टर प्रभु लाल सैनी पूर्व कृषि मंत्री, संरक्षक बद्रीलाल भारती पचाला ,प्रभु लाल सैनी मनोहरपुर को बनाया गया । विवाह सम्मेलन के अध्यक्ष पद हेतु रामस्वरूप सैनी पीटीआई का नाम समाज के पंचों द्वारा प्रस्तावित किया गया, जिसमें अध्यक्ष पद के लिए रामस्वरूप सैनी पीटीआई को नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष पद पर चिरंजीलाल सैनी,रतनलाल सैनी, खानजी सैनी पायलेट ,आसाराम सैनी झोपड़िया, हरिनारायण सैनी , प्रह्लाद सैनी बालिथल ,हरगोविंद सैनी चोरू,राजू लाल सैनी हुकुमपुरा ,भंवरलाल सैनी दोबाडिया,किशन सैनी अलीगढ़, गिर्राज सैनी सामला गांव, राधेश्याम सैनी डाबला,शंकर सैनी दोबाडिया को उपाध्यक्ष बनाया गया। सम्मेलन समिति महामंत्री पद पर राम किशन सैनी एडवोकेट ,बनवारी लाल सैनी अध्यापक को महामंत्री बनाया गया। सह संगठन मंत्री सत्यनारायण सैनी बाबा, प्रचार मंत्री नरेंद्र सैनी, राजेंद्र सैनी फुलवारी को बनाया ।कोषाध्यक्ष देवकीनंदन सैनी, सोजीलाल सैनी रि.अध्यापक को नियुक्त किया गया। सम्मेलन समिति सचिव पद पर ओम प्रकाश सैनी एडवोकेट , कार्यालय मंत्री पद पर राकेश सैनी फुलवारी ,राजेंद्र सैनी फुलवारी को नियुक्त किया गया। सम्मेलन समिति के मीडिया प्रभारी पद पर अशोक सैनी उनियारा,मदन सैनी हुकुमपुरा ,महेंद्र सैनी नगरफोर्ट, अशोक सैनी चौरु, ओम प्रकाश सैनी नगरफोर्ट , हरिशंकर माली दूनी को नियुक्त किया गया।

सम्मेलन समिति के सचिव ओम प्रकाश सैनी ने बताया कि माली समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन गणेश निमंत्रण कार्यक्रम 26 फरवरी 2025 बुधवार को महाशिवरात्रि पर्व पर सुबह 8.00 बजे उनियारा माली समाज छात्रावास से महिला,पुरुष,बच्चे गाजे बाजे के साथ जुलूस झंडा रोहण वह गणेश स्थापना के लिए कृषि मंडी के पास गणेश मंदिर के लिए रवाना होंगे ।माली समाज के भामाशाहों द्वारा भी मीटिंग के आयोजन में सम्मेलन में आर्थिक सहयोग राशि की भी घोषणा की गई । मीटिंग के दौरान अध्यक्ष पद के लिए नियुक्त किए गए सामूहिक विवाह सम्मेलन के अध्यक्ष रामस्वरूप सैनी का माला पहनकर पंचों द्वारा स्वागत सम्मानित किया गया ।

सर्व समाज द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 62 यूनिट रक्त संग्रहित, रक्तदाताओं का हुआ सम्मान

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (बाबू अंसारी)। सर्व समाज द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 62 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अनवर शा, डी. राजलक्ष्मी अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के सीईओ इकबाल खान, अतिथि के तौर पर मौजूद रहे नाथू सिंह गुर्जर, डॉक्टर मकबूल अहमद और डॉक्टर फरहाद चौधरी पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद शाकिर खान पार्षद हाजी उमर दराज पार्षद शफी कुरैशी उपस्थित रहे। शिविर के संस्थापक यामीन रंगरेज और संयोजक बाबू अंसारी ने बताया कि यह आयोजन रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रक्तदान कर मानवता की सेवा में योगदान दिया। रक्तदान करने वाले सभी रक्तवीरों को प्रमाण पत्र देकर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। शिविर में मौजूद डॉक्टरों और समाजसेवियों ने रक्तदान के स्वास्थ्य लाभों और इसकी जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि रक्तदान से न केवल जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। आयोजकों ने आगे भी इस प्रकार के रक्तदान शिविरों के आयोजन की योजना बनाई है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा सके। इस आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजकों ने भविष्य में भी इसी तरह के सामाजिक कार्यों में सहयोग देने की अपील की।

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट-2024) की तैयारियों को लेकर बैठक का हुआ आयोजन

- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी एवं पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने अधिकारियों को दिये निर्देश
- परीक्षा की सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त
- जिला कलक्टर एवं पुलिस आयुक्त ने स्ट्रांग रूम में भी व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन आगामी 27 एवं 28 फरवरी को आयोजित होने वाली राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट-2024) के सफल आयोजन की तैयारियों में जुटा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी एवं पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने रविवार को परीक्षा के आयोजन को लेकर जयपुर के एक निजी विद्यालय के सभागार में बैठक ली। बैठक में समस्त केंद्र अधीक्षकों, अतिरिक्त केंद्र अधीक्षकों, प्रश्न पत्र समन्वयकों, ओएमआर समन्वयकों को सफल बनने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

बैठक में अधिकारियों को परीक्षा के आयोजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत दी गई। बैठक के पश्चात जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी एवं पुलिस आयुक्त श्री बीजू जॉर्ज जोसेफ ने स्ट्रांग रूम का दौरा किया एवं सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने एवं समस्त आवश्यक इंतजाम दुरुस्त रखने के निर्देश दिये।

जिला परीक्षा संचालन समिति के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) श्री गोपाल सिंह शेखावत ने जानकारी दी कि परीक्षा के आयोजन के दौरान पेपर लीक एवं नकल सहित अन्य प्रकार की विधि विरुद्ध गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों के उपयोग की रोकथाम) अधिनियम के कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों के उपयोग की रोकथाम) अधिनियम के यह हैं प्रावधान

राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम-2022 (2022 का अधिनियम संख्याक 6) एवं संशोधन अधिनियम 2023 (2023 का अधि. संख्याक-17) की धारा 10 (1) के अन्तर्गत 3 वर्ष का कारावास और एक लाख रुपये का जुर्माना से दंडित किया जाएगा, जुर्माना नहीं होने पर 9 माह के कारावास से दण्डित किया जाएगा। इसी तरह धारा 10 (2) के अन्तर्गत 10 वर्ष का कारावास जो आजीवन कारावास तक का हो सकेगा और जुर्माना 10 लाख रूपये जो 10 करोड़ तक का हो सकेगा से दण्डित किया जाएगा, जुर्माना नहीं देने पर 5 वर्ष का कारावास और हो सकेगा। इस प्रकार के संगीन अपराध करने पर दोषी व्यक्तियों की सम्पत्ति की कुर्की और अधिहरण भी किया जा सकेगा।

पिंकफेस्ट 2025: कला, संस्कृति और डिज़ाइन का भव्य समापन

थियेटर प्ले- दिलवाले दुल्हनियां दे जायेंगे में; पति-पत्नी ने लिए उल्टे फेरे, पांच साल के बेटे ने बचाया परिवार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। पिंक सिटी, जयपुर में कला, संस्कृति और डिज़ाइन के भव्य उत्सव पिंकफेस्ट के चौथे संस्करण का सफल समापन हुआ। 21 से 23 फरवरी 2025 तक राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित इस तीन दिवसीय फेस्टिवल में देश-विदेश के जाने-माने कलाकारों, लेखकों और वक्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान भारतीय सांस्कृतिक वैभव को प्रदर्शित करने वाली कला प्रदर्शनी, 125 से अधिक वक्ताओं द्वारा 25 से अधिक संवाद सत्र, लाइव आर्ट कैंप, कल्चर रैम्प वॉक, थिएटर, जयपुर कथक घराने का शास्त्रीय नृत्य, लोक संगीत, दादी-नानी की कहानियां और स्टोरी टेलिंग जैसी प्रस्तुतियां आयोजित की गईं।

अंतिम दिन की प्रमुख गतिविधियां

पिंकफेस्ट के अंतिम दिन, कला प्रेमियों के लिए आर्ट एग्जीबिशन, आर्ट डायलॉग्स, डिज़ाइन एग्जीबिशन और डिज़ाइन एकेडमिक सेशन आकर्षण का केंद्र रहे। सृष्टि मंडपम - पवेलियन ऑफ कॉस्मॉस एग्जीबिशन, पिकासो एग्जीबिशन, थिएटर वर्कशॉप और बच्चों के थिएटर अलबेला गांव का मंचन किया गया, जोकि एक हास्य नाटक है। हमारे देश की खोती हुई भारतीय संस्कृति को लेकर है। इसके क्रिएटर्स समर्थ, आशीष, शबाना है और गगन मिश्रा इस नाटक के टेक्निकल डायरेक्टर है। ये नाटक संस्कृत भाषा की महत्वता बताता है, देश की खोती जा रही संस्कृति पर चिंतन करता है। इसके अलावा मेहा झा, रश्मि उप्पल, स्वाति गर्ग, संगीता सिंघल के शिष्यों द्वारा क्लासिकल परफॉर्मेंस नृत्यात्मन - जॉय ऑफ डांस और नवपल्लव - क्लासिकल परफॉर्मेंस ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंतिम दिन हुए चर्चा सत्र भारतीय संस्कृति और इसकी विकास यात्रा पर केंद्रित रहे जिसमें रीला होता, एनके भास्करन, प्रेरणा श्रीमाली, राजेंद्र खंगारोत, चिन्मय मेहता आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

थिएटर वर्कशॉप और समापन समारोह

फेस्ट का समापन लाइव स्टेज परफॉर्मेंस और अशोक राही जी के थिएटर प्ले दिलवाले दुल्हनिया दे जाएंगे के शानदार मंचन के साथ हुआ। अपने नाटक के बारे में बताते हुए अशोक राही ने कहा, फ़दिलवाले दुल्हनिया लेकर नहीं देकर गए पिंकफेस्ट में। इस प्ले में पति-पत्नी ने उल्टे फेरे लिए, पांच साल के बेटे ने परिवार को बचाया। समापन समारोह में खेले गए इस हास्य-व्यंग्य नाटक ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। आज की युवा पीढ़ी के त्वरित प्रेम विवाह और छोटे-छोटे मुद्दों पर झगड़ों के चलते होने वाले तलाक पर यह नाटक एक मजबूत सामाजिक संदेश देता है। मुंबई के युवा नाटककार अनुरोध शर्मा द्वारा लिखित इस नाटक में राज और सिमरन नामक जोड़े की कहानी को दिखाया गया, जो मामूली मुद्दों पर लगातार झगड़ते रहते हैं और उनके अहम की लड़ाई में परिवार वाले भी शामिल हो जाते हैं, जिससे अंततः विवाह विच्छेद समारोह होता है। इस नाटक का निर्देशन सुप्रिया शर्मा ने किया था।

प्रेस प्रीमियर लीग-2025 का शुभारम्भ 24 को

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। पिंकसिटी प्रेस क्लब की ओर से आयोजित पीपीएल-2025 का शुभारम्भ सोमवार 24 फरवरी 2025 से प्रात: 10 बजे से होगा। क्लब अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि क्लब महासचिव योगेन्द्र पंचौली के संयोजन में आयोजित प्रतियोगिता का ड्रा रविवार को क्लब परिसर में निकाला गया। आठ टीमों दो पूल बनाए गए। पूल ए में फर्स्ट इण्डिया न्यूज, प्रेस क्लब रॉयल, नेशनल इलेवन, समाचार जगत पूल बी में दैनिक भास्कर, प्रेस क्लब स्टार्स, न्यूज फैक्ट राजस्थान, राजगंगा को शामिल किया गया। लीग ड्रॉ के अवसर पर उपाध्यक्ष विमल सिंह तंवर, राहुल भारद्वाज, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मॉनिका शर्मा पुष्पेन्द्र सिंह राजावत, श्रीमती अनिता शर्मा, नमोनारायण अवस्थी, संजय गौतम, शालिनी श्रीवास्तव सहित सभी टीमों के कप्तान एवं वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित थे। सोमवार को लीग का शुभारम्भ मैच न्यूज फैक्ट राजस्थान बनाम राजगंगा के बीच प्रात: 11 बजे इंस्पायर क्रिकेट ग्राउण्ड लालकोठी स्थित पीएचक्यू के सामने खेला जाएगा।

खेमराज कमेटी एवं बजट घोषणा में उपेक्षा से कर्मचारी वर्ग में असंतोष

17 मार्च से राज्यभर में जागृति सभा आयोजित कर चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने की घोषणा

महासंघ की प्रदेश कार्य समिति का पुनर्गठन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के महासंघ प्रमुख महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र राणा के नेतृत्व में प्रदेश पदाधिकारियों ने खेमराज कमेटी द्वारा राज्य कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर करने संबंधी सिफारिश नहीं करने तथा बजट 2025 में भी चिकित्सा, शिक्षा, अधीनस्थ इंजीनियर्स, पंचायती राज इत्यादि विभागों के लाखों कर्मचारियों की वेतन विसंगति, कैडर पुनर्गठन, स्थानान्तरण नीति, सेवानिवृति पर सभी को 50 प्रतिशत पेंशन की सुनिश्चितता, 8/16/24/32 वर्ष की सेवा उपरांत वेतन उन्नयन, संविदा कर्मियों को पर्याप्त मानदेय एवं उनके बहुप्रतीक्षित नियमितीकरण इत्यादि प्रमुख विषयों पर कोई प्रावधान नहीं करने पर असंतोष व्यक्त करते हुए 17 मार्च 2025 से राज्यभर में जागृति सभा आयोजित कर चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने की घोषणा की गई।

वहीं प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राना ने महासंघ की प्रदेश कार्यसमिति के पुर्नगठन की भी घोषणा की। जिसमें संरक्षक सियाराम शर्मा, सलाहकार शशिभूषण शर्मा, मुख्य महामंत्री नवीन कुमार शर्मा, महामंत्री विपिन प्रकाश शर्मा, महिला संयोजक कमला लाम्बा एवं सीता साहू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मुख्य प्रवक्ता जितेन्द्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष-- हरलाल डूकिया, डी.पी. चौधरी, वीरेन्द्र शर्मा, भूदेव धाकड़, उपाध्यक्ष--- राजपाल फोगाट, सुनील कोठारी, शगुफ्ता खान, बीना शर्मा, वित्त मंत्री कैलाश शर्मा, संयुक्त महामंत्री-- विकास शर्मा, मोहन सिंह राजावत, दयानंद सोनी, प्रवक्ता-- मीडिया प्रभारी मुकेश मीणा वकी अहमद, डा. राकेष नेहरा, ऋषि पाकड़, प्रदेष संगठन मंत्री--किशन सिंह चौहान, पवन कुमार शर्मा, किशनलाल मीना, राजकुमार जीनगर, संयुक्त मंत्री-भगवत डांगी, कोटा- मोहनलाल धाकड़ होंगे। साथ ही 31 सदस्यीय प्रदेश कार्यसमिति होगी। महासंघ पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि मुख्यमंत्री जी स्वंय प्रसंज्ञान लेकर कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त करे।

जयपुर में युवती फल वाले के खिलाफ थाने पहुंची

फोन-पे से नंबर निकालकर परेशान करने लगा, कॉल कर अश्लील बातें कहने लगा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। जयपुर में एक युवती की शिकायत पर फल बेचने वाले युवक पर एफआईआर दर्ज की है। युवती ने शिकायत दी है कि आरोपी के पास उसका नंबर आने पर फोन और मैसेज करने लगा। मना करने पर आरोपी इंस्टाग्राम पर मैसेज करने लगा। इंस्टाग्राम पर ब्लॉक करने पर आरोपी फोन पर गंदी बातें बोलने लगा। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने युवती की शिकायत पर आरोपी अफाक खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

विद्याधर नगर थाने के जांच अधिकारी एएसआई अर्जुन लाल ने बताया- युवती ने कुछ समय पहले फल बेचने वाले से फल लिए थे। इसका पेमेंट फोन पे से करने के बाद युवती चली गई। आरोपी ने युवती का नम्बर फोन पे से निकालकर परेशान करना शुरू कर दिया। आरोपी पिछले एक माह से युवती को निरंतर परेशान कर रहा है। इस पर युवती ने शिकायत दी है कि आरोपी अफाक खान जो की बोरिंग चौराहे पर फल बेचने का काम करता है। आरोपी से उसने कुछ समय पहले फल खरीदे थे। इस पर युवती ने फोन पे से उसका पेमेंट कर दिया।

ब्लॉक करने पर भी आरोपी परेशान कर रहा

आरोपी ने फोन पे से युवती का नम्बर निकाल कर कॉल करना शुरू किया। युवती ने आरोपी को पहले फोन और मैसेज पर ब्लॉक किया। आरोपी ने उसे इंस्टाग्राम पर फॉलो करना और परेशान करना शुरू कर दिया। आरोपी फोन कर करे अश्लील बात करता है। कई बार आरोपी अफाक खान को समझाया, लेकिन आरोपी नहीं मान रहा। इस पर पुलिस को आरोपी के खिलाफ शिकायत दी गई

वार्ड नंबर 29 में निशुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न, 500 से अधिक लोगों ने करवाई जांच

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (बाबू अंसारी)। हवामहल विधानसभा क्षेत्र के बदनपुरा स्थित मोहल्ला गोरियान बास, वार्ड नंबर 29 में एक भव्य निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन ताहेरा उस्मानी मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट एवं समाजसेवी युवा नेता आमिर उस्मानी द्वारा किया गया। शिविर में थायराइड, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की निशुल्क जांच की गई, जिसमें 500 से अधिक लोगों ने अपनी जांच करवाई। इस अवसर पर ग्रीन पेथ लैब की टीम ने अत्यंत सावधानी और सूक्ष्मता के साथ सभी जांचों को पूरा किया। शिविर में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद शाकिर खान, गफूर मंसूरी, जयपुर जिला सचिव मोहम्मद फेइम कुरैशी, मंडल अध्यक्ष लतीफ भाई, वार्ड नंबर 30 के अध्यक्ष मोहम्मद अंसार खान और पूर्व वार्ड अध्यक्ष ताहिर खान शामिल थे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक करना और जरूरतमंदों को मुफ्त जांच की सुविधा उपलब्ध कराना था।

सम्मुख में हुआ कविता पाठ और पुस्तक चर्चा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। जवाहर कला केंद्र में रविवार को सम्मुख का आयोजन हुआ। इस आयोजन में पुस्तक चर्चा और कविता पाठ के आयोजन हुए। जेकेके के कृष्णायन सभागार में हुए कार्यक्रम के मंचासीन अतिथि अभीषेक तिवारी, नंद भारद्वाज और ईश्वर चंद्र माथुर रहे।

वरिष्ठ साहित्यकार नंद भारद्वाज ने अपनी पुस्तक फ़काहू की काठी धरा के बारे में बताया कि यह एक ऐसे कर्मठ चरित्र की कथा है जो दूसरे विश्वयुद्ध में मारवाड़ रियासत के एक सैनिक के रूप में शामिल रहा। आज़ाद हिंद फौज से अपनी हमदर्दी के कारण जिसे चौदह महीने हांगकॉंग किले में बंद रहना पड़ा, महायुद्ध से लौटने पर मारवाड़ किसान सभा के साथ एक दशक तक जागीरदारी प्रथा के विरुद्ध अनवरत जूझता रहा, पंचायती राज के शुरुआती कालखण्ड में अपनी काहू धरा का निर्विविरोध सरपंच बना, अपने मालाणी हलके में जिसने जल संरक्षण और शिक्षा की अलख जगाई और राजनीति में बढ़ती व्यावसायिकता के विरुद्ध ग्रामीण जनता को जागरूक किया।

देवांशु पद्मनाभ ने अपनी पुस्तक 'जहां बाट जोहते है देवता' के बारे में बताया कि इसमे पूर्वी-मध्य राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के भग्न मंदिरों का वर्णन है। ये सभी महान देवालयों के क्षेत्र थे। यहाँ नागर शैली के प्रतिनिधि और विस्मयकारी देवगृह गढ़े गए थे। लगभग सब के सब तोड़ डाले गए और उन सभी देवालयों को भुला दिया गया। इन सभी मंदिरों को शास्त्रीय विधि से बनाया गया था और इनमें श्रेष्ठ वास्तु शिल्प है। ये दक्षिण के मंदिरों से किसी भी तरह कम नहीं हैं।

विजय जोशी ने अपने संपादन में प्रकाशित ''सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक वैभव फ़ के बारे में बताया कि इसमें पुरातत्वविद् रमेश वारिद के समय-समय पर लिखित एवं विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेखों का संचयन है। इन आलेखों में शैव संप्रदाय, शैव दर्शन, शिव पूजन परम्परा और पुरातात्विक सांस्कृतिक एवं कलात्मक चिंतन गहराई से विवेचित हुआ है। साथ ही वैदिक युगीन संस्कृति में वैदिक देव और देवता का विस्तृत वर्णन भी दिया है जिसमें देव और देवता शब्द की व्याख्या भी दी गई है।

इसके बाद कविता पाठ सत्र में अभिलाषा पारीक ने रजनी बीबी की पंजाबी कविता की नगरी नगरी और भंवर जी भंवर की राजस्थानी भाषा में सुण दिल्ली दौड़े मन चाल का पाठ किया। कामना राजावत ने हेली री मून और कल्याण सिंह राजावत की झूपड़ी भर हलोत्यो प्रस्तुत कर राजस्थानी भाषा के गीत गाए। इसी तरह किशन प्रणय ने मेरे खून में कभी आयरन की कमी नहीं होती मेरे खून में चंबल बहती है सुनाकर वाहवाही लूटी। वरिष्ठ साहित्यकार शारदा कृष्ण ने रस्म हूं न मैं कोई रिवाज हूं बीतता कभी नहीं वो आज हूं, हलक से चांद ले आओ मचलता मन थमेगा कब वगरना पेट से पूछो कि रोटी बिन चलेगा क्या कविता पाठ कर श्रोताओं की दाद पाई।

कार्यक्रम संयोजक प्रमोद शर्मा ने जानकारी दी कि साहित्य, गीत संगीत को प्रोत्साहित करने के लिए हर माह यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

ब्रह्मलीन संत 108 रामदयाल दास महाराज की पुण्यतिथि पर विशाल भंडारा एवं भजन संध्या का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

फुलेरा (नि.स.)। समीपवर्ती पंचमुखी हनुमान मंदिर दादूदयाल आश्रम टांका पर शनिवार सायं 6 बजे से तपस्वी बाबा गोविंद दास महाराज के सानिध्य में श्री श्री 108 रामदयाल दास की 12 वीं पुण्य स्मृति में विशाल भंडारे एवं भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें हजारों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की एवं भव्य भजन संध्या लुफ्त उठाया। भजन संध्या में मुख्य कलाकार सवाई भाट (इंडियन आइडल), तबला वादक-सांवरमल कत्थक, ढोलक- इलियाज खा, बैंजो- इनायत खा, नगाड़ा वादक-मनीष देवली ने समा बांधी। इस दौरान दादर धाम के संत भवानी दास,पूर्व विधायक निर्मल कुमावत सहित हजारों की तादात में श्रद्धालु मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों से प्रधानमंत्री ने की मन की बात

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। शहर के नैनवा रोड स्थित एक निजी रिसोर्ट में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का कार्यक्रम प्रसारित हुआ । प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात के माध्यम से देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युग वैज्ञानिक युग है । इस विज्ञान के माध्यम से ही हमारा देश दिन प्रतिदिन और देश के मुकाबले तरक्की करता हुआ जा रहा है । उन्होंने कहा कि हमारे देश के खिलाड़ी भी खेल के माध्यम से हमारे देश का नाम बड़ा रहे हैं । प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमें स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार लेना चाहिए जिससे हमारा शरीर स्वस्थ और मजबूत हो सके । महिलाओं के बारे में बोलते हुए मोदी ने कहा कि देश की महिलाएं भी देश को आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है । उन्होंने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की बात कही । उन्होंने कहा कि महिलाएं भी अपने-अपने क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबले कार्य करते हुए देश को गति प्रदान कर रही है । कार्यक्रम के दौरान निवर्तमान जिला अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल को कार्यकर्ताओं द्वारा माल्यार्पण कर ससम्मान विदाई दी गई । नवनियुक्त जिला अध्यक्ष रामेश्वर मीणा का भी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया । मीडिया प्रभारी अभिषेक जैन ने बताया कि कार्यक्रम को जिला अध्यक्ष रामेश्वर मीणा, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल , शहर अध्यक्ष राजकुमार श्रृंगी ,मन की बात जिला संयोजक भरत शर्मा ,सभापति सरोज अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये । इस मौके पर पूर्व जिला प्रवक्ता अमित निंबार्क , पार्षद मानस जैन नवीन सिंह, पूर्व पार्षद संजय भूटानी, गौरव वर्मा ,मनोज गौतम, हेमंत मीना, दिलीप सिंह, कौशल त्रिवेदी, चेतन पंचोली, बंटी शर्मा, अशोक जायसवाल, कैलाश जांगिड़, ब्रजराज सिंह सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

महाशिवरात्रि पर निकलेंगी बाबा महाकाल की शाही सवारी, 21 क्विंटल गुलाल व 50 क्विंटल फूलों की होगी वर्षा

बढ़ता राजस्थान

केकड़ी (संजय कटारिया)। महाशिवरात्रि पर्व बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। इसके लिए शहर के शिवालयों में बड़े पैमाने पर तैयारियों शुरू कर दी गई है। पर्व के मद्देनजर जहां शिव मंदिरों को रंग बिरंगी रोशनी सजाया जा रहा है, वहीं कई मंदिरों में भजन संध्या के आयोजन की तैयारियों चल रही है। शहर के घण्टाघर स्थित निर्मलेश्वर महादेव मंदिर, खिड़की गेट स्थित बड़ पीपलेश्वर महादेव मंदिर, भाग्योदेश्वर महादेव मंदिर, तत्कालेश्वर महादेव मंदिर, विद्युतेश्वर महादेव मंदिर, कृष्णा नगर शिव मंदिर, कुंठेश्वर महादेव मंदिर, पोकी नाड़ी महादेव, खटीकान शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर तैयारियों चल रही है।

इसी प्रकार पर्व के अंतर्गत महाकाल सेवक समिति द्वारा इस बार भी शहर में बाबा महाकाल की मनमहेश प्रतिमा की शाही सवारी निकाली जायेगी। इसके लिए यहां पुरानी तहसील परिसर स्थित तत्कालेश्वर महादेव मंदिर में महाकाल सेवक समिति के पदाधिकारियों द्वारा बैठकें आयोजित कर आयोजन की व्यापक तैयारियां की जा रही है। बैठक में समिति के सेवको द्वारा 26 फरवरी को बाबा महाकाल के द्वितीय नगर भ्रमण को लेकर आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों को लेकर विचार विमर्श कर सेवको को अलग अलग कार्यो की जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

संत गाडगे जी बाबा की 149 सी जन्म जयंती मनाई गई

बढ़ता राजस्थान

चौमहला(आबिद हुसैन)। वसिटा रजक धोबी समाज द्वारा गंगधार में, स्वच्छता अभियान के जनक संत गाडगे जी बाबा की 149 सी जन्म जयंती मनाई गई जिसमें संपूर्ण नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई।शोभायात्रा में गंगधार चौमहला के सभी समाज बंधु पुरुष, महिलाएं बच्चे सभी साथ रहे शोभायात्रा का जगह-जगह पर गंगधार के सामाजिक धार्मिक संगठनों के द्वारा स्वागत सम्मान किया गया शोभायात्रा का समापन सुभाष चौक स्थित कार्यक्रम स्थल पर हुआ। जहां पर सभी समाज बंधुओ ने बाबा को पुष्प अर्पित कर उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया और समाज में व्याप्त बुराइयों का नाश करने का निर्णय लिया।कार्यक्रम में समाज के संस्थापक मोतीलाल कोदिया, अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पटेल, उपाध्यक्ष मुकेश गुजरिया, प्रधान सलाहकार दिलीप मोरी, कोषाध्यक्ष संतोष परमार, सचिव राहुल मोरी, महामंत्री रवि मालवीय ,गंगाराम परमार,गणेशलाल, प्रभु लाल ,हीरालाल ,बग़दीराम ,जगदीश चंद, शंकर लाल,राधेश्याम ,रमेश मोरी, कालूराम मोरी, मांगीलाल, मदन लाल,कैलाश चंद , रमेश परमार ,रामेश्वर, दिनेश मोरी,राजमल परमार, पीरु लाल , गुड्डू लाल ,राजकुमार मोरी, कैलाश चंद,आदि मौजूद रहे।

वरिष्ठ नागरिकों के लिये 16 सूत्रीय मांगों का रिजोल्यूशन पास होने के साथ ही अखिल भारतीय नागरिक परिसंघ का दो दिवसीय सम्मेलन सम्पन्न

कोरोनाकाल में वरिष्ठ नागरिकों के लिये समाप्त हुए रेलवे कन्सेशन को पुनः लागू किया जायें : सेठ

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (दिनेश गोठवाल)। महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान, उदयपुर द्वारा अखिल भारतीय नागरिक परिसंघ का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन रविवार को सरकार से वरिष्ठ नागरिकों के हितों की मांगो का लेकर सम्मलेन में पास किये गये रिजोल्यूशन के साथ ही एमएलएसयू विश्वविद्यालय के विवेकानन्द सभागार में सम्पन्न हुआ।

महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान के मानद सचिव भंवर सेठ ने कहा कि इस 22 वे राष्ट्रीय अधिवेशन के आज दूसरे दिन 6 सत्र आयोजित किए गए। अध्यक्ष वी के भदाने,उपाध्यक्ष भंवर सेठ ,मदन खटोड़, डी एन चापके, टी पी आर उन्नी,एम के रैना,डा सुलभा देवीदास,पी विश्वनाथम,नंदलाल अग्रवाल,दामोदर मुदाफरे,के सानिध्य में कार्यक्रमों मे विभिन्न वक्ताओं ने वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित विषयों पर अपने विचार रखें।

अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक महासंघ के 22 वे राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन सर्वसम्मति से 16 सूत्रीय एक मांग पत्र तैयार किया गया जिसे उपस्थित 1500 ही सदस्यों ने ताली बजाकर ओर दोनों हाथ खड़े कर समर्थन किया।

सम्मेलन के प्रथम सत्र में वर्तमान समय में वरिष्ठ महिलाओं सुषमा सिंघवी ने कहा कि हम वरिष्ठ है वरिष्ठ बनकर ही रहे। निज ज्ञान कौशल कला क्षमता को बात कर सक्रिय रहे।सेवा करने में आंतरिक सुख का अनुभव होता हे। डॉ.गायत्री तिवाडी ने कहा कि पुरुष प्रधान समाज है। महिलाएं अपने बारें में सोचें। आर्ट एवं कल्चर कमेटी की चेयरपर्सन ने भी अपने विचार रखे।कार्यक्रम की मध्यस्थता डा सुलभा कंवर ने की एवं संचालन यमला साहू ने किया।दूसरे सत्र में वरिष्ठ नागरिकों को विधिक एवं न्यायिक अधिकारों पर डा कल्पेश के निकावत के संचालन में एम के रैना,पी रामचंद्रेया, एस हनीफा रावथर,भगवंत कौर ने अपने विचार रखे।मुख्य वक्ता के रूप में जिला न्यायाधीश वाणिज्यिक न्यायालय महेंद्र कुमार दवे ने कहा कि मेंटेनेंस की परिभाषा में सुरक्षा का अधिकार जोड़ना आवश्यक हे।उन्होंने

भरण पोषण की जानकारी प्रदान की उन्होंने माता पिता ओर वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण ओर कल्याण अधिनियम 2007 की धारा 22 में धारा 22 ए जोड़ी जानी चाहिए।जिसमें सुरक्षा शब्द जोड़ने का प्रावधान है।

खुले सत्र में अध्यक्ष वी के भदाने, नारायण मूर्ति,अन्ना साहिब टेकाले, संग्राम श्रीधर,के सानिध्य में करनैल सिंह,विजय देशमुख दंबडगांवकर,डा मिलिंद जी सरदार,डा प्रदीप कुमार सिन्हा,मालती जायसवाल,महेंद्र कुमार गुप्ता,के के बिडला,सुरेश गवास, जी पी शेख,अशोक तेरकर,डा इंदु सुभाष आदि ने अपने विचार रखें। अधिवेशन में श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं,संगठनों,स्मारिका प्रकाशन आदि के लिए सम्मान प्रदान किया गया।

इन्दु सुभाष ने कहा कि देश में 59 प्रतिशत बुजुर्ग आत्महत्या कर रहे है जो सभी के लिये चिन्ताजनक बात है। बुजुर्गो की स्थिति देश में बहुत खराब है।

पुराने जमाने की सोच बदलकर आगे बढ़े महिलाएं, लैंगिंग समानता को लेकर राजीविका दे रहा है प्रशिक्षण

बढ़ता राजस्थान

केकड़ी (संजय कटारिया)। देश की तरक्की में महिलाओं की भूमिका को इंगित करते हुए उनके लिए समान अवसर उपलब्ध कराने की सरकार की योजनाओं के तहत केकड़ी में राजीविका संस्थान द्वारा महिलाओं को ट्रैनिंग दी जा रही है। इसके अंतर्गत उन्हें जागरूक व आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मार्गदर्शन देने का कार्य किया जा रहा है।

केकड़ी में गरीब महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उन्हें स्थाई आजीविका प्रदान कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार के राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा संचालित राजीविका संस्थान में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व उन्हें महिला अधिकारों के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही लैंगिग समानता के लिए भी महिलाओं को विशेष प्रशिक्षण देकर इस बारे में जागरूक बनाया जा रहा है।

इस क्रम में केकड़ी में संस्थान की ओर से शिविर लगाकर राजीविका से जुड़ी क्षेत्र की महिलाओं को दिल्ली से आई नेशनल रिसोर्स पर्सन देवी एवं जयपुर से स्टेट रिसोर्स पर्सन अंजू शर्मा द्वारा लैंगिक समानता विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर इस

बारे में ट्रैनिंग दी जा रही है। शिविर में महिलाओं को जहां लैंगिग समानता के बारे में बताया जा रहा है, वहीं उन्हें ये भी समझाया जा रहा है कि लैंगिग समानता किस प्रकार से समाज एवं सभी के लिए लाभदायक साबित हो सकती है।

राजीविका प्रभारी नीतीश सुथार ने बताया कि इस ट्रैनिंग के बाद केकड़ी में महिला एवं बाल अधिकारिता विभाग से संबद्ध जेंडर रिसोर्स सेंटर स्थापित किया जाएगा, जिससे लैंगिक मतभेद से जुड़े मामलों में महिलाओं की सुनवाई एवं प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। इस ट्रेनिंग शिविर में करीब 30 महिलाओं का चयन किया गया है, जो प्रशिक्षित होने के बाद क्षेत्र में राजीविका समूह से जुड़ी करीब 10 हजार महिलाओं को प्रशिक्षण देंगी। इसके साथ ही बच्चियों को भी गुड टच एवं बेड टच के बारे में समझाकर उन्हें इस बारे में जागरूक किया जा सकेगा।

ट्रैनिंग में शामिल राजीविका से जुड़ी महिलाओं का कहना है कि इस ट्रैनिंग के माध्यम से उन्हें पुराने जमाने की सोच को बदलकर बेटे और बेटियों को समान रूप से समझते हुए दोनों को आगे बढ़ने के लिए समान अवसर प्रदान किए जाने के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके तहत उन्हें सरकार की विविध कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है।

राजकीय विद्यालय मेवदा के विद्यार्थियो ने विज्ञान आधारित 30 स्टॉल लगाकर प्रदर्शनी का आयोजन किया

बढ़ता राजस्थान

कपासन(नि.स.)। क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मेवदा में बाल शोध मेले का आयोजन किया गया।जिसमे विद्यार्थियो द्वारा विज्ञान संबंधी चार्ट एवं मॉडल बनाकर प्रदर्शनी लगाई गयी।

राजकीय उप्रा विद्यालय मेवदा प्रधानाध्यापक राजेन्द्र व्यास ने बताया की मेवदा-मेवदा कॉलोनी के प्रयासों से आयोजित बाल शोध मेले में विद्यालय के बच्चों द्वारा 30 स्टॉल लगाकर विज्ञान से जुड़े बिन्दुओ पर आधारित चार्ट एवं मॉडल बनाकर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।जिसमे प्रथम सत्र में अभिभावकों के साथ पीईईओ क्षेत्र मुंगाना के बच्चों एवं शिक्षकों द्वारा अवलोकन किया गया।विद्यार्थियो द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण व समस्याओ को तर्क संगत हल किये जाने पर बच्चों को संबलन प्रदान किया गया।

बाल शोध मेले के द्वितीय सत्र में कपासन कलस्टर के विज्ञान शिक्षकों द्वारा अवलोकन किया गया। साथ ही तथा परस्पर जानकारियां साझा की गयी।इस दौरान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कपासन गोपाललाल शर्मा द्वारा बाल शोध मेले का अवलोकन बाद मेले की सराहना करते हुवे विज्ञान शिक्षकों,बच्चों एवं अभिभावकों से बोर्ड परीक्षा व अन्य परीक्षा के परिणाम उन्नयन हेतु प्रयास करने की अपील की गयी। इस अवसर पर अजीम प्रेम जी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों सहित शिक्षक योगेन्द्र सोनी,संदीप ढाका, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि प्रकाश जाट,वार्ड पंच पन्नालाल,कार्यवाहक प्रधानाचार्य सुशील यादव, प्रधानाध्यापक मालती चाष्टा,मेवदा-मेवदा कॉलोनी विद्यालय के शिक्षक एवं स्थानीय ग्रामीणजनो द्वारा उपस्थित होकर बाल शोध मेले के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान किया गया।

जजावर सीएचसी को 108 एंबुलेंस की दरकार

बढ़ता राजस्थान

जजावर (पदम शाह)। राष्ट्रिय राजमार्ग 148 डी पर नैनवां से हिंडोली के मध्य ऑन हाईवे स्तिथ जजावर के सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर 108 एंबुलेंस की सुविधा नही होने सड़क हादसों में घायल होने वाले लोगों को समय पर उपचार नही मिल पाने से काफी परेशानी आ रही है। गौरतलब रहे जजावर सीएचसी ऑन हाईवे दुर्घटना प्रणव क्षेत्र में स्तिथ है अब तक हाईवे के इस एक्सिडेंटल जोन मे कई गंभीर हादसे हो चुके हैं जिनमे 108 एंबुलेंस की सुविधा मिली भी है लेकिन सवाल यह है कि एंबुलेंस के देरी से मौके पर पहुंचने से घायलों का उपचार शुरु नही हो पाता इस चक्कर में कई गंभीर घायलों की तो उपचार शुरु नही होने से पूर्व बीच रास्ते ही मौत हो जाती है ।

इस स्तिथि मे अगर जजावर सीएचसी पर भी 108 की सुविधा उपलब्ध हो तो यह

परेशानी सुविधा मे परिवर्तित हो सकती है ।

हालांकि इस सीएचसी मे 108 की मांग कई दिनों से चली आ रही है लेकिन धीरे धीरे अन्य सुविधा मे तो इजाफा नजर आ रहा है लेकिन सरकार द्वारा इस महत्वपूर्ण समस्या को गंभीरता से नही लेने के कारण लोगों मे सरकार के प्रति असंतोष बढ़ रहा है । कस्बे के कई लोगों का कहना एवं मानना है कि अगर जजावर सीएचसी पर भी 108 की सुविधा उपलब्ध हो जाए तो इस हाईवे पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के घायलों को घटना स्थल पर तत्काल 108 एंबुलेंस के पहुंचने से समय पर उपचार के लिए सीएचसी अथवा जिला चिकित्सालय पहुंचाया जा सकता हैं ।

विदेशी महिला पर्यटक को असहाय गोवंश द्वारा गिरा देने से विदेशी महिला घायल

विदेशी सैलानियों व स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा की पोल खोलता यह हादसा

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। शहर में असहाय गोवंश द्वारा विदेशी फ्रांस महिला पर्यटक को उछाल दिया जिससे महिला पर्यटक गंभीर घायल हो गई आसपास मौजूद लोगों ने विदेशी महिला को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर किया, फिलहाल विदेशी फ्रांस महिला अस्वास्थ्य बताई जा रही है। सामान्य चिकित्सालय में तैनात ड्यूटी डॉक्टर जितेंद्र ने बताया कि, विदेशी पर्यटक महिला के असहाय जानवर द्वारा गिरा दिया गया जिस महिला की चोट आई है, हाथ में इंजरी होने की संभावनाएं हैं एक्सरे होने के बाद ही आगे का इलाज किया जायेगा। महिला के

हाथ में फैक्चर और चेहरे पर चोट आई है महिला पर्यटक का जिला अस्पताल में खबर भेजने तक इलाज जारी रहा, बूंदी शहर के तिलक चौक में जब महिला गुजर रही थी उसी समय असहाय गोवंश ने उसे अपनी चपेट में ले लिया और घायल कर दिया फिलहाल

महिला का इलाज जारी है।

इस पूरे मामले से बूंदी प्रशासन का आम जन के प्रति व विदेशी सेनानियों के प्रति सुरक्षा बंदोबस्त की धज्जियां साफ दिखाई दे रही हैं। आवारा गोवंसो के लिए ना नगर परिषद का ध्यान है और ना ही जिला प्रशासन का रविवार को विदेशी महिला के साथ हुवे हादसे से जिला प्रशासन नगर परिषद के अधिकारी सबक ले और आवारा गोवंशों का स्थाई समाधान करें अन्यथा कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, जिसका जवाब ना जिला प्रशासन के पास होगा ना नगर परिषद के पास।

स्थानान्तरण नही होने से शिक्षकों में गहरा आक्रोश, राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय की जिला बैठक में छाया मुद्दा

बढ़ता राजस्थान

केकड़ी (संजय कटारिया)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय जिला शाखा केकड़ी की बैठक रविवार को पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय केकड़ी में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सचिव एवं जिला प्रभारी भंवरसिंह राठौड़ मौजूद थे, वही जिला संरक्षक बिरदीचन्द वैष्णव, जिला संगठन मंत्री राजेन्द्र सुजेडिया, महिला संगठन मंत्री ऊषा जोशी, महिला मंत्री प्रभा पंचोली विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष महेश शर्मा ने की।

प्रारंभ में सभी आगतुंक अतिथियों ने माँ सरस्वती एवं संस्थापक जयदेव पाठक के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक के दौरान जिले की समस्त उपशाखाओं पर आगामी 23 मार्च को होने वाली बैठक हेतु पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए। इस दौरान पदाधिकारियों और शिक्षक कार्यकर्ताओं ने स्थानान्तरण को लेकर गहरी नाराजगी व्यक्त की और ओपीएस को यथावत रखे जाने की मांग की।

प्रदेश सचिव भंवरसिंह राठौड़ ने संगठन की रीति-नीति पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताते हुए सभी उपशाखाओं की संकुल रचना और प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन में भाग लेने वाले शिक्षकों की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने शिक्षा नीति 2020 और आगामी नवसंवत्सर कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा की। अंत में जिले भर की विभिन्न शिक्षक समस्याओं पर भी मंथन किया गया।

इस अवसर पर जिला उपसभाध्यक्ष रामेश्वर चौधरी, कोषाध्यक्ष गोविन्द लौहार, उपाध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा बृजेशकुमार आसोपा, उपाध्यक्ष संस्कृत शिक्षा गोविन्दलाल शर्मा, प्राध्यापक सदस्य श्यामसुन्दर वैष्णव, मीडिया प्रभारी दिनेश कुमार वैष्णव, सरवाड़ उपशाखा अध्यक्ष रामस्वरूप सलावंड़िया, मंत्री शिवदयाल जाट, सावर उपशाखा अध्यक्ष लादूलाल मीणा, मंत्री प्रहलाद कुमावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र बलाई, महिला मंत्री चंचल शर्मा, भिनाय उपशाखा अध्यक्ष गोविन्दराम जांगिड़, केकड़ी उपशाखा कोषाध्यक्ष प्रदीप जैन सहित जिले भर के सैंकड़ो शिक्षक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री बेढम ने बजट घोषणाओं के त्वरित और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों की ली बैठक

बजट में हर वर्ग का रखा ध्यान, सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय वाला बजट : प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (नि.स.)। राज्य मंत्री गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग तथा जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने रविवार को राज्य के बजट वर्ष 2025-26 की घोषणाओं के त्वरित और समयबद्ध क्रियान्वयन एवं पिछले बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में प्रभारी मंत्री बेढम ने विभिन्न विभागों की बजट घोषणाओं और योजनाओं पर विभागवार चर्चा की।

अधिकारियों से जानी टाइमलाइन, समयबद्ध काम करने के निर्देश : प्रभारी मंत्री बेढम ने सार्वजनिक निर्माण विभाग से शुरू करते हुए एक-एक कर सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों से योजनाओं के पूर्ण होने के लिए समयसीमा की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं में प्रत्येक विधानसभा में नॉन पेचेबल सड़कों के कार्य में व्यवहार्यता एवं सुगमता का ध्यान रखा जाये। राष्ट्रीय राजमार्ग 123 से राष्ट्रीय राजमार्ग 11 बी धौलपुर एवं राष्ट्रीय राजमार्ग 44 से राज्य राजमार्ग 2 ए पर बायपास के संबंध में प्रगति पर जानकारी ली। उन्होंने राजाखेड़ा में कृषि मण्डी और जारह में ग्रिड सब स्टेशन हेतु भूमि आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराये जाने हेतु निर्देशित किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी विभाग राज्य सरकार की मंशा अनुरूप बजट घोषणाओं 2025-26 के त्वरित क्रियान्वयन हेतु अग्रसक्रिय ढंग से कार्य करें। उन्होंने जिले से संबंधित सभी बजट घोषणाओं की एक-एक कर समीक्षा की और अब तक की प्रगति जानी।

बैठक में बजट घोषणा संबंधी कार्यो मे, समय पर कार्य आदेश जारी करने, समय पर पूर्ण करने, समय समय पर मॉनिटरिंग करने, गुणवत्ता का ध्यान रखने एवं बजट घोषणा संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु जिला एवं राज्य स्तर पर अवगत कराने के निर्देश दिये जिससे कि समस्या का समाधान किया जा सके।

'प्रेस वार्ता को किया सम्बोधित' : बैठक से पूर्व प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने प्रेस वार्ता को सम्बोधित किया। इस दौरान विधायक बाड़ी जसवंत सिंह गुर्जर, जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी, पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा, अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना भी उपस्थित रहे। पत्रकारों के सवालों के जवाब में प्रभारी मंत्री बेढम ने कहा कि राज्य सरकार ने बजट घोषणाओं में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया कि धौलपुर लिफ्ट परियोजना एवं कालीतीर परियोजना के समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु 950 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। विश्नौदा, धौलपुर हवाई पट्टी का उन्नयन कर चरणबद्ध रूप से बड़े हवाई जहाज उतरने योग्य बनाया जायेगा। 1 करोड़ रुपये की लागत से समौला पोखर से खरगपुरा रोड़ तक पक्की सड़क का निर्माण किया जायेगा। रेहना वाली माता एवं लाठ वाली माता मन्दिर के जीर्णाद्धार एवं विकास कार्य कराये जायेंगे। धौलपुर पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में सिविल ब्रांच और आईटीआई में मेकेनिक और इलैक्ट्रिक व्हीकल के नये ट्रेड्स शुरू होंगे। टाइप वन डाइबिटीज से पीड़ित मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने की दृष्टि से जिला चिकित्सालय में डाइबिटिक क्लिनिक्स और हेमोडाइलिसिस की सुविधा का विस्तार करते हुए जिला चिकित्सालय में इस हेतु 10 बैड्स उपलब्ध कराये जायेंगे। जिले में प्रमुख स्थानों को चिन्हित कर श्रीअन्न के उत्पाद आमजन को आसानी से उपलब्ध करवाने एवं प्रचलन में लाने हेतु मिलिट उत्पाद आउटलेट्स खोले जायेंगे। राजाखेड़ा में कृषि मण्डी खोली जायेगी। बाघ परियोजना करौली-धौलपुर में स्थित चौकी नाका एवं एंटी पोचिंग कैंप में मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जायेगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा सत्येन्द्र पाराशर, नीरजा शर्मा, गिर्राज सिंह मलिंगा, डॉ शिवचरण कुशवाह, सुखराम कोली, रानी सिलोटिया सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद थे।

डिस्कॉम का बकाया वसूली अभियान जारी, दो दिन में वसूले 35 लाख

ग्रामीण क्षेत्र में एक करोड़ से अधिक की बकाया पर लाइन से उतारे 25 ट्रांसफार्मर, शहरी क्षेत्र में भी 30 लाख की बकाया पर 55 कनेक्शन काटे

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। डिवीजन क्षेत्र में डिस्कॉम का बकाया वसूली अभियान लगातार जारी है। पिछले 2 दिन की कार्रवाई में डिस्कॉम की टीम ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्र से जहां 35 लाख रुपए की बकाया वसूली की है। वही एक करोड़ से अधिक की बकाया पर 25 ट्रांसफार्मर लाइन से उतारे हैं।जिससे 200 उपभोक्ताओं के कनेक्शन कटे हैं। पूरे उपखंड क्षेत्र में पचास हजार से अधिक की बकाया पर 400 विद्युत उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए हैं। इन पर करीबन ढ़ाई करोड़ रुपए बकाया चल रहा है। डिस्कॉम के एक्सईएन गोविंद सिंह के नेतृत्व में चल रही इस कार्रवाई में बाड़ी एईएन आरडी मीना, जेईएन ग्रामीण कुलदीप शर्मा,आयुष राज गुप्ता के साथ सतर्कता टीम के एक्सईएन माखन सिंह मीणा और बिजली थाना धौलपुर की टीम कार्रवाही में जुटी है। सिटी जेईएन अवधेश कुमार ने बताया कि डिस्कॉम की आधा दर्जन टीमो ने पिछले 2 दिन की कार्रवाई में शहरी उपभोक्ताओं से जहां 15 लाख की वसूली की है। वहीं ग्रामीण उपभोक्ताओं से 20 लाख की बकाया वसूली की गई है। इसके अलावा उपखंड क्षेत्र में 400 विद्युत उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे हैं। जिन पर पचास हजार या उससे अधिक की राशि बकाया है। एक करोड़ 20 लाख की बकाया पर 25 ट्रांसफार्मर ग्रामीण क्षेत्र से लाइन से उतारे हैं। शहरी क्षेत्र में भी 30 लाख की बकाया पर 55 कनेक्शन काटे गए हैं। सहायक अभियंता आरडी मीणा ने बताया कि डिस्कॉम का यह बकाया वसूली अभियान लगातार जारी है। पिछले 2 दिन की कार्रवाई में गांव गोपालपुरा,मानपुर का अड्डा, पंडुरपुरा, मझउआ, लखेपुरा,पुरा उलावटी,अब्दुलपुर सहित कई अन्य गांव से विद्युत ट्रांसफार्मर लाइन से उतारे गए हैं। इन ट्रांसफॉर्मर से करीब 200 उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन कटे हैं। शहरी क्षेत्र में भी डीसी और पीडीसी कनेक्शन पर चेकिंग के दौरान विद्युत चोरी पाए जाने पर बीसीआर भरी गई है। प्रयास यही है कि शत प्रतिशत वसूली हो। विधुत उपभोक्ताओं से भी अपील की है कि वे बकाया को तुरंत जमा कराए। जिनके कनेक्शन नहीं है जो बिजली विभाग में आवेदन करें।

राजसमंद के उपनगर धोइंदा की तलाई बदहाल, तलाई कुल क्षेत्रफल के 70 फ़ीसदी पर फैली जलकुंभी

सदियों से यहां धार्मिक और सामाजिक आयोजन होते रहे हैं, स्थानीय निकाय के प्रयास भी नाकाफी साबित हुए

बढ़ता राजस्थान

राजसमन्द (सुरेश बागोरा)। जिला मुख्यालय का प्रसिद्ध उपनगर है धोइन्दा। जावद और गोविंदा मिलाकर नगर परिषद के कुल सात वार्डो मैं फैला हुआ है। धोइन्दा गांव के अंतिम छोर पर एक प्रसिद्ध झील है जिसे तलाई कहा जाता है। समय के साथ-साथ जनसंख्या बढ़ती रही और गांव का गंदा पानी इस तलाई में जाने लगा। आज इस यह तलाई बद से बदतर हालत में है। पूर्व विधायक स्व किरण माहेश्वरी ने इस तलाई का विकास करने का प्रयास किया और दो बार बजट देकर इसके चारों तरफ पाल बनवाई गयी। लेकिन गाँव गंदा पानी अनवरत इसमें जाता रहा और अब इसके चित्र भी साड़ी इलाके पर जलकुंभी ने डेरा डाल दिया। गांव के रहने वाले बुजुर्ग लोगों का कहना है कि यहां पर नवरात्रा और देवझूलनी एकादशी पर कई बड़े धार्मिक आयोजन किए जाते थे। इस झील पर अब केवल मक्खी मच्छर और गंदगी का आलम है। इस झील की दुर्दशा देखकर लोगों को दुख जरूर होता है लेकिन उन्हें भी इसका कोई स्थाई समाधान नजर नहीं आता।

प्रतिवर्ष लगातार यहां जलकुंभी बढ़ती जा रही है। धोइन्दा गांव कृषि प्रधान इलाका होने से यहां रहने वाले पशुपालकों का पशुधन भी इसी झील का पानी पिया करते थे। वहीं अब लोग भी अपना कचरा प्लास्टिक की थालियां और गंदगी इसी झील में डाल देते हैं। तलाई के चारों तरफ रिंग रोड बनाया गया है और आसपास रहने वाले लोग बदबू और गंदगी से परेशान है।

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लाखावत ने ली बजट घोषणाओं को लेकर बैठक

हर जन के कल्याण को लेकर समर्पित है डबल इंजन की सरकार : लाखावत

बढ़ता राजस्थान

राजसमन्द (सुरेश बागोरा)। राजस्थान धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष श्री ओंकार सिंह लाखावत ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2027 के संकल्प को पूरा करने के लिए यह जरूरी है कि हम सभी अपना दायित्व कर्मठता से निभाएं। सभी मिलकर आपसी समन्वय से राज्य सरकार द्वारा की गई बजट घोषणाओं 2024-25 एवं 2025-26 का जल्द से जल्द क्रियान्वयन करें।वे रविवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की बजट घोषणा 2024-25 एवं 2025-26 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान कुंभलगढ़ विधायक एवं पूर्व राज्य मंत्री सुरेन्द्र सिंह राठौड़, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, जिला प्रमुख रतनी देवी जाट, जिला प्रभारी सचिव वरिष्ठ आईएएस भगवती प्रसाद कलाल, जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा आदि उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान लाखावत ने कहा कि बजट घोषणाओं को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग जमीन पर जुट जाएं। जिन घोषणाओं में भूखंड की जरूरत हो, वहाँ आवंटन संबंधी प्रक्रिया को समन्वय के साथ पूर्ण कराएं। जहां उच्च स्तर से समन्वय करना हो वहाँ समन्वय कर लंबित कार्य पूर्ण करें।

समयबद्ध क्रियान्वयन करें सुनिश्चित : लाखावत ने जिले की प्रगति पर संतोष जाहीर करते हुए यह निर्देश दिए कि सभी विभागों के प्रभारी अधिकारी उच्च स्तर से संवाद स्थापित करते हुए फ़ाइलें समय पर क्लियर कराएं और घोषणाओं को धरातल पर उतारें ताकि आमजन को समुचित ढंग से इन योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने निर्देश दिए कि अगली बैठक तक सभी पेंडिंग काम शुरू हो जाएं, जो काम चल रहे हैं वे पूर्ण हो जाएं और जो पूर्ण हो जाएं उनका लोकार्पण हो जाए। जब घोषणाएं धरातल पर उतरेंगी तब आम आदमी विकास की गंगा से लाभान्वित महसूस करेगा। विकास में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी जरूरी है, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन प्रतिबद्धता से इस दिशा में कार्य कर रहा है।

हाथों-हाथ उच्चाधिकारियों से फोन पर की बात : लाखावत ने बैठक के दौरान ही उन विभागों के निदेशकों, अतिरिक्त निदेशकों आदि से फोन पर बात की जिन मामलों में कोई न कोई स्वीकृति जयपुर स्तर पर लंबित है। उच्चाधिकारियों से बात कर लाखावत ने राजसमंद जिले की घोषणाओं से संबंधित फ़ाइलें शीघ्र क्लियर करने के निर्देश दिए। आइटीआई नाथद्वारा में सुविधाओं के विस्तार में आ रही समस्याओं को लेकर निदेशक जोधपुर से फोन पर हाथों-हाथ बात की। नवीन जीएसएस स्थापित करने के कार्यों में तेज गति से प्रगति लाने को लेकर उच्चाधिकारी को फोन पर त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देशित किया। इसी तरह बेड़च का नाका, आर के अस्पताल में सुविधाओं के विस्तार, स्टोन मंडी, जाखम बांध आधारित वृहद पेयजल परियोजना, विभिन्न सड़क विकास एवं चौड़ाईकरण कार्यों आदि को लेकर भी विस्तृत चर्चा की।

भाजपा नेत्री नीरजा बोलीं- बजट में राजाखेड़ा को मिली कई सौगात

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। राजस्थान सरकार द्वारा की गई बजट घोषणाओं में राजाखेड़ा को बड़ी सौगातें मिली है जिस पर भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व वित्त मंत्री दिया कुमारी का धन्यवाद दिया है। भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा ने बताया कि प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा जारी किए गए बजट में राजाखेड़ा क्षेत्र के लिए जो मांगें रखी गई थीं उन्हें वित्त मंत्री दिया कुमारी ने प्राथमिकता दी है। बजट में राजाखेड़ा में कृषि उपज मंडी की मांग पिछले लंबे समय से चली आ रही थी जिसको आज बजट में सौगात के रूप में दिया है। साथ ही क्षेत्र में धार्मिक स्थल के रूप में माता रेहना वाली मंदिर एवं माता लाठ वाली मंदिर जीर्णोद्धार के लिए बजट दिया है। जारह गांव में 33 केवी सबस्टेशन की सौगात दी है। भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और वित्त मंत्री दिया कुमारी को इस सौगात के लिए धन्यवाद दिया है। बजट में युवाओं, किसानों, महिलाओं, वृद्धजनों एवं मध्यम वर्ग के लोगों को ध्यान रखा गया है। पॉलिटेक्निक कॉलेज में सिविल ब्रांच बढ़ाने के लिए भी बजट में मंजूरी दी है।

सीनियर सेकेंडरी मत्सूरा के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

परिधान और गृह सज्जा की भी ली जानकारी, कई प्रकार की गतिविधियों से हुए अवगत

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। उपखण्ड के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल मत्सुरा के विद्यार्थियों का एक दिवसीय भ्रमण कराया गया। जिसमे स्कूल के प्रधानाचार्य राजेंद्र बघेला ने ह्री झंडी दिखाकर विद्यार्थियों को रवाना किया। स्कूल प्राचार्य बघेला ने बताया की औद्योगिक भ्रमण व्यावसायिक शिक्षा के तहत परिधान एवं गृह सज्जा ट्रेड के कक्षा 9 के छात्रों का भ्रमण कौशल मित्र रामविलास गिरि,सहयोगी दिलीप कुमार मंगल,सीमा विश्नोई एवं गीता जाटव के सहयोग से किया गया। जिसमें बाड़ी में सिलाई कढ़ाई मशीन पर कैसे कार्य होता है। इसकी बारीकियां सीखीं। गृह सज्जा में संत नगर में स्थित फुलवारियों से प्राकृतिक रूप से कैसे सजा सकते हैं। तथा स्वास्थ्य के लिए लाभदायक वातावरण कैसे तैयार कर सकते हैं।यह बच्चों ने सीखा। सभी विद्यार्थियों ने भ्रमण की प्रशंसा की। इस अवसर पर ध्यान एकाग्रता के लिए गणित की गतिविधि एवं गांव में अफवाह कैसे फैलती है की गतिविधि काना फूसी बच्चो को कराई और इसके दुष्प्रभावों से अवगत कराया।

कंचनपुर के लुधपुरा में खेत में पानी देने के दौरान किसान की मौत

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। उपखंड के कंचनपुर थाना क्षेत्र के लुधपुरा गांव में खेत पर पानी देने के दौरान एक किसान मेढ़ से गिरने के चलते हादसे का शिकार हो गया। जैसे ही किसान मेढ़ से गिरा। उसका सिर पत्थर से टकरा गया। जब आसपास के लोगों को किसान काफी समय दिखाई नहीं दिया तो उसे देखने पर अचेत अवस्था में मिला। जब तक परिजन उसे अस्पताल लेकर आते, रास्ते में ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची कंचनपुर पुलिस द्वारा शव को बाड़ी अस्पताल की मोर्चरी रखवाया गया। जहां परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया है। घटना को लेकर मृतक किसान 40 वर्षीय हरिशंकर पुत्र तोताराम लोधा के चचेरे भाई शिवसिंह ने बताया की हरिशंकर गेहूं की फसल में पानी देने के लिए शुक्रवार की शाम 4 बजे खेत पर गया था। करीब 6 बजे वह खेत मे मेढ़ से गिरा और सीधे पत्थर पर जाकर उसका सिर टकरा गया। जिसके बाद वह अचेत हो गया। जब तक आसपास के किसान उंस तक पहुंचे उसकी हालत गंभीर हो गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर आए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने माननीय प्रधानमंत्री की योजनाओं और बजट घोषणाओं को जन-जन तक पहुंचाने का किया आह्वान, प्रबुद्धजन सम्मेलन में सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने की शिरकत

बढ़ता राजस्थान

राजसमन्द(सुरेश बागोरा)। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने रविवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन में शिरकत करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं और केंद्रीय बजट 2025-26 की घोषणाओं को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस दौरान राजस्थान धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लाखावत, भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल, कुंभलगढ़ विधायक सुरेन्द्र सिंह राठौड़, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, जिला प्रमुख रतनी देवी जाट, पूर्व जिलाध्यक्ष मान सिंह बारहठ सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे। सांसद मेवाड़ ने कहा कि इस बजट में सरकार ने गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सस्ती एवं सर्वसुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया है। सरकार का उद्देश्य देश के हर नागरिक को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करना है।सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार की नई कर व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपये तक की आय (यानी पूंजीगत लाभ जैसी विशेष दर आय को छोड़कर एक लाख रुपये की औसत आय) पर कोई आयकर देय नहीं होगा। 75,000 रुपये की मानक कटौती के कारण वेतनभोगी आयकर दाताओं के लिए सीमा 12.75 लाख रुपये की होगी। उन्होंने कहा कि स्लैब दरों में कटौती के कारण मिलने वाले लाभों के अलावा कर में छूट इस ढंग से प्रदान की जा रही है कि उनके द्वारा कर का कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। सांसद ने कहा कि केंद्रीय बजट में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की गई है। 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' के तहत 100 जिलों को शामिल किया जाएगा, जिससे 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा। 'ग्रामीण समृद्धि और लचीला निर्माण' कार्यक्रम के माध्यम से कृषि में निवेश, कौशल विकास और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार ने तूर, उड़द और मसूर जैसी दलहन फसलों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए 6-वर्षीय मिशन की शुरुआत की है।इसके अलावा, फलों और सब्जियों के उत्पादन और प्रसंस्करण के लिए व्यापक योजना बनाई गई है। बजट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। एमएसएमई के वर्गीकरण मानदंड में संशोधन किया गया है, जिससे अधिक उद्यमियों को इस श्रेणी का लाभ मिल सके। 'सूक्ष्म उद्यम क्रेडिट कार्ड' योजना के तहत पंजीकृत उद्यमों को 5 लाख रुपये तक का कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड प्रदान किया जाएगा। महिला, अनुसूचित जाति और जनजाति के उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए 2 करोड़ रुपये तक के सावधि ऋण की योजना बनाई गई है। इसके अलावा, 'फुटवियर और लेदर उद्योग' को बढ़ावा देने के लिए 22 लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। भारत को 'वैश्विक खिलौना केंद्र' बनाने और 'मेक इन इंडिया' के तहत राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा गया है।

घुंघराले हैं आपके बाल तो शैंपू-कंडीशनर करते समय ध्यान रखें ये बातें

घुंघराले बालों को मैनेज करना काफी कठिन होता है। इस तरह के बालों वाले लोगों की हेयर केयर रुटीन काफी अलग होती है। दरअसल, घुंघराले बाल सीधे बालों वाले लोगों की तुलना में काफी ज्यादा उलझ जाते हैं। ऐसे में इसमें कंघी करने से लेकर बालों को धोने में काफी ज्यादा परेशानी होती है। अगर आपके बाल भी घुंघराले हैं, तो परेशान न हों।

धोने से पहले बालों को करें हाइड्रेट

बालों को धोने से पहले कर्ली हेयर को हाइड्रेट और सुलझाना न भूलें। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो इससे आपके बाल धोने के बाद और अधिक उलझ सकते हैं। कंघी करने के दौरान बालों को हमेशा ढीला रखें। अगर आपके बाल धोने से पहले ड्राई लग रहे हैं, तो इस स्थिति में बालों पर तेल लगाएं। इससे धोने के बाद आपके बाल ज्यादा उलझेंगे नहीं। इसके बाद जब भी बाल धोएं, तो पहले शैंपू लगाने के बजाय बालों को गीला करें। इससे तुलनात्मक रूप से बाल कम उलझते हैं।

सिर्फ स्कैल्प पर लगाएं शैंपू

बालों को धोने के बाद शैंपू को हमेशा स्कैल्प पर लगाएं। दरअसल, जब आप स्कैल्प के बजाय बालों पर शैंपू लगाते हैं, तो इससे शैंपू अच्छी तरह से धुलते नहीं हैं। ऐसे में बालों बदबू आ सकती है। बालों में शैंपू लगा हुआ रह जाने से बालों में खुजली, ड्राइनेस जैसी परेशानी हो सकती है। इसलिए हमेशा बालों को धोने के दौरान शैंपू को स्कैल्प पर लगाएं। वहीं, ध्यान रखें कि हमेशा सल्फेट फ्री शैंपू का इस्तेमाल करें। अगर आप केमिकल युक्त शैंपू इस्तेमाल करते हैं, तो आपके बाल काफी ज्यादा डैमेज हो सकते हैं। घुंघराले बाल वाले लोगों को हमेशा ऑर्गेनिक नारियल तेल, आर्गन ऑयल और लैवेंडर ऑयल युक्त शैंपू का इस्तेमाल करना चाहए। इस तरह के शैंपू का इस्तेमाल करने से आपके बाल उलझेंगे नहीं। साथ ही धोने के बाद बाल लंबे समय तक हाइड्रेट रहेंगे।

कंडीशनिंग करना न भूलें

अगर आपके बाल घुंघराले हैं, तो कभी भी अपने बालों पर शैंपू के बाद कंडीशनिंग करना न भूलें। अगर धोने के बाद आप कंडीशनर नहीं लगाते हैं, तो आपके बाल काफी ज्यादा ड्राई और फिजी नजर आ सकते हैं। वहीं, बालों की डीप कंडीशनिंग से आपके बाल सॉफ्ट और क्लीन नजर आते हैं।

बालों को सुखाने के लिए कॉटन टॉवल का करें इस्तेमाल

शैंपू और कंडीशनिंग के बाद बालों को ड्रायर से सुखाने के बजाय कॉटन या फिर माइक्रोफाइबर तौलिया से सुखाएं। इसके लिए करीब 5 मिनट तक अपने बालों को कॉटन या माइक्रोफाइबर तौलिए से लपेटकर रखें।। इसके बाद अपनी उंगलियों से धीरे-धीरे उलझे बालों को सुझाएं।

धोने के दौरान कंघी को करें अवॉइड

अगर आपके बाल घुंघराले हैं, तो बालों को धोने के दौरान कंघी से दूरी बनाएं। अगर आप धोने के दौरान बालों पर कंघी एप्लाई करते हैं, तो इससे आपके बाल काफी ज्यादा उलझ सकते हैं। साथ ही इससे बालों डैमेज भी हो सकते हैं। इतना ही नहीं, शैंपू या कंडीशनिंग के तुरंत बाद कंघी करने से बाल काफी ज्यादा टूट सकते हैं। इसलिए इस दौरान कंघी से अवॉइड करें।

स्ट्रेस दूर करने के लिए करें आप ये काम

तनाव एक बेहद गंभीर समस्या है। वर्तमान समय में हम में से ज्यादातर लोग आए दिन तनाव की स्थिति का सामना करते हैं। तनाव हमारे शरीर और मस्तिष्क की उन अनुभवों के प्रति प्रक्रिया है, जिसका सामना हम अपने दैनिक जीवन में करते हैं। रोजमर्रा के सामान्य काम, जिम्मेदारियां, ऑफिस की घटनाएं, साथ ही परिवारिक समस्याओं जैसे कई अन्य कारणों के चलते हम अक्सर तनावग्रस्त हो जाते हैं। जिसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है।

तनाव का सेहत पर क्या असर पड़ता है :

तनाव आपके स्वास्थ्य को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकता है। यह आपके पेट के स्वास्थ्य से लेकर मानसिक स्वास्थ्य तक सभी को प्रभावित करता है। यहां तक कि तनाव मानव स्वास्थ्य जुड़े लगभग सभी ज्ञात रोगों में एक भूमिका निभाता है जैसे: थायराइड, डायबिटीज, मोटापा, एंडोमेट्रियोसिस, सिस्ट, हार्मोनल असंतुलन, इंसुलिन रेजिस्टेंस, बांझपन, प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम, पीरियड्स के दौरान ऐंठन, पेट में छाले या अल्सरेटिव कोलाइटिस, इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम, अपच, अवसाद, एंग्जायटी माइग्रेन इत्यादि।

स्ट्रेस कंट्रोल करने के लिए करें ये 5 कामः

- काम से ब्रेक लें और प्रकृति में समय बिताएं। जो कुछ भी आप कर रहे हैं उससे ब्रेक लें और बाहर प्रकृति में थोड़ा समय बिताएं। हम सभी प्रकृति के पांच तत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) से बने हैं, इसलिए प्रकृति में बाहर जाना हमें अपनी आत्मा के करीब लाता है और हमें शांत महसूस कराता है।
- कुछ ऐसा करें जो आपको बहुत पसंद है। जब आप कुछ ऐसा करते हैं जो आपको पसंद है तो आपका ध्यान तनाव से खुशी की ओर जाता है। अपनी पसंद की चीजें करने से आप अच्छा महसूस करेंगे।
- अपने पसंदीदा लोगों के साथ कुछ समय बिताएं, उनसे मिलने जाएं या घर बुलाएं। यह तनाव को मैनेज करने का सबसे आसान तरीका है।
- व्यायाम करने से तनाव को कम करने में मदद मिलती है। साथ ही मेडिटेशन और योग का अभ्यास करने से नकारात्मक विचारों से ध्यान हटाकर किसी सकारात्मक चीज की ओर करने में मदद मिलती हैं। साथ ही इससे शरीर में तनाव हार्मोन (कोर्टिसोल) का स्तर कम होता है और हैप्पी हार्मोन रिलीज होता है।
- घर की चीजों को ठीक करें जैसे अपनी अलमारी, बिस्तर, डेस्क, रसोई फोन गैलरी आदि। शारीरिक रूप चीजों को व्यवस्थित करने से आपको भावनात्मक रूप से व्यवस्थित करने में आपको मदद मिलती है।

ये फल खाने से दूर रहती हैं पाचन की समस्याएं, बढ़ते हैं गट बैक्टीरिया

पाचन क्रिया को बेहतर करने के लिए आंत का स्वस्थ रहना बहुत ही जरूरी होता है। अगर आंतों में किसी तरह की परेशानी हो जाए, तो इसका असर आपकी पाचन शक्ति पर पड़ता है। जिसकी वजह से शरीर में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, जिसमें वजन बढ़ना, इम्यून सिस्टम कमजोर होना, स्किन की परेशानी, हार्मोनल समस्याएं शामिल हैं। इसलिए पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने के लिए आंतों को भी दुरुस्त रखना बहुत ही जरूर है। गट हेल्थ या आंतों को स्वस्थ रखने के लिए हमें अपने डाइट पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है।

केला पाचन क्रिया को करे दुरुस्त : केला पाचन क्रिया को दुरुस्त करने में आपकी मदद कर सकता है। इसमें कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, तो आंत को हेल्दी बनाए रख सकते हैं। केला फाइबर, प्रोटीन, पोटेशियम, विटामिन बी6 और मैंगनीज का पावरहाउस है, जो हृदय स्वास्थ्य, पाचन क्रिया और वजन को कंट्रोल करने में आपकी मदद कर सकता है। पाचन क्रिया को दुरुस्त करने के लिए आप केले को कई तरीकों से खा सकते हैं। कई लोग बनाना शेक, तो कई कुछ लोग कई तरह के डिशेज के रूप में केले का सेवन करते हैं। पाचन क्रिया को बेहतर करने के लिए आप अपने आहार में नियमित रूप से केले को शामिल करें।

सेब आंतों को रखे सुरक्षित : पेट में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने के लिए सेब का सेवन करें। सेब आंत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। यह गट में गुड बैक्टीरिया को बढ़ाने में असरदार होता है। सेब कई पोषक तत्वों जैसे- एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और खनिजों इत्यादि से भरपूर होता है। नियमित रूप से सेब का सेवन करने से पाचन शक्ति को बेहतर करने के साथ-साथ हृदय स्वास्थ्य में सुधार किया जा सकता है। साथ ही यह शरीर के वजन को स्वस्थ रखने में आपकी मदद कर सकता है। इसके अलावा सेब का सेवन करने से टाइप-2 डायबिटीज की संभावना कम की जा सकती है।

अनार से पाचन शक्ति होती है मजबूत : पाचन शक्ति को दुरुस्त करने के लिए अनार का सेवन किया जा सकता है। यह फल एंटीऑक्सीडेंट और प्रीबायोटिक पॉलीफेनोल्स से भरपूर होता है, जो आंत में प्रोबायोटिक बिफीडोबैक्टीरियम और लैक्टोबैसिलस रोगाणुओं को बढ़ाने में आपकी मदद कर सकते हैं। यह फाइटोन्यूट्रिएंट्स खराब बैक्टीरिया से लड़ने में आपकी मदद करते हैं, जो पेट में संक्रमण और सूजन को कम किया जा सकता है।

अंगूर पेट को रखे सुरक्षित : आंतों को सुरक्षित रखने के लिए अंगूर को अपने हेल्दी फ्रूट्स की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। आप किसी भी रंग का अंगूर खा सकते हैं। सभी रंग के अंगूर का सेवन करने से पाचन शक्ति मजबूत होती है, जो आपकी आंत के लिए काफी अच्छा होता है।

अंगूर के पल्प, बीज और स्किन में कई तरह के विटामिंस, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, तो आंत को सुरक्षित रखने में असरदार हो सकते हैं। अंगूर में पॉलीफेनोल्स पाए जाते हैं, जो गुड गट बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं। इससे आपका गट हेल्थ बेहतर होता है।

पाइनएप्पस से गट हो सकता है हेल्दी : पाइनएप्पल एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो आंत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इतना ही नहीं, अनानास में विटामिन सी से समृद्ध रूप से मौजूद होता है। साथ ही इस फल में ब्रोमेलैन नामक एक शक्तिशाली एंजाइम होता है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर और हृदय स्वास्थ्य से संबंधित परेशानियों को दूर करने में मददगार होता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद है कीवी : कीवी स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। स्वास्थ्य से जुड़ी कई परेशानियों को दूर करने के लिए कीवी खाने की सलाह दी जाती है। कीवी विटामिन सी के साथ-साथ प्रीबायोटिक फाइबर से भरपूर होता है, जो प्रोबायोटिक बिफीडोबैक्टीरियम और लैक्टोबैसिलस को भी बढ़ाने में असरदार होता है। इसका सेवन करने से आपका गट हेल्थ बेहतर हो सकता है। इससे पेट से जुड़ी समस्त परेशानियों को दूर किया जा सकता है।

उदास और चिड़चिड़े स्वभाव वाले बुजुर्गों के साथ ऐसे करें व्यवहार, अच्छी होगी आपकी बॉन्डिंग

बुढ़ापा हमारे जीवन के फेज में से होता है। जिसमें कई लोगों को बहुत तरह की चिंताएं और गंभीर चिकित्सा परेशानियां हो सकती है। इस समय आपको अपनी स्वतंत्रता खोने और लोगों के दूर जाने का एहसास होने लगता है। कई बार बच्चे अपने काम में इतने व्यस्त होते हैं कि वे अपने बुजुर्ग माता-पिता को समय नहीं दे पाते हैं। यह स्थिति उनके लिए अधिक ज्यादा खतरनाक हो सकती है, जो बुढ़ापे में बिना अपनी पत्नी या पति के जीवन काट रहे होते हैं। ऐसे में उन्हें कई तरह की बीमारियां भी घेर लेती है। कई बुजुर्ग लोग समय के साथ धीरे-धीरे बात करना बंद कर देते हैं। उनके लिए आम जीवन जीना मुश्किलों से भरा हो सकता है। अगर ऐसे में उनके बच्चे उन्हें नहीं समझते हैं, तो यह स्थिति उनके माता-पिता के लिए कष्टदायी हो सकती है। इससे उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है लेकिन अगर वे जिद्दी व्यवहार कर रहे है, तो आपको इसके बारे में सावधान होने की जरूरत है। ऐसा किसी बीमारी या मानसिक तनाव के कारण भी हो सकता है। अपनी तरह से आप उन्हें भरपूर प्यार और केयर दे सकते हैं।

लगातार बातें करना

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास समय की काफी कमी होती है। ऐसे में आपको अपना समय निकालकर अपने पेरेंट्स से जरूर बात करनी चाहिए। बात करने से उनका मन भी हल्का होता है। उनसे उनकी चिंताओं और समस्याओं के बारे में पूछे और उनसे उनके दिनभर के कामों के बारे में पूछें। जब बच्चे बुजुर्ग पेरेंट्स से बात करते हैं, तो उन्हें उनकी वैल्यू का पता चलता है और वे समझते हैं कि आपकी लाइफ में अभी भी उनकी वही जगह है। दरअसल अपने बच्चों को खोने और उनसे दूर रहने का डर भी रहता है। ऐसे में अगर आप उनसे बात करते हैं या उनके साथ समय बिताते हैं, तो उन्हें अच्छा लगता है।

उनसे बहस या झगड़ा न करें

कई बार पेरेंट्स तनाव और चिंता में अपने बच्चे को बहुत कुछ बोल जाते हैं और उनपर चिल्लाते हैं लेकिन आपको एक जिम्मेदार बच्चे की तरह अपने माता-पिता से समझदारी से बात करना चाहिए। उनसे बहस, उन्हें धक्का और नाराज होने की बजाय, उनसे उनकी नाराजगी का कारण जानना चाहिए। बुजुर्गों के गुस्से के कई कारण हो सकते हैं। कई बार किसी बीमारी के कारण भी वो बिना बात के आपसे झगड़ सकते हैं। ऐसे में उनसे प्यार से बात करें और उन्हें मजबूत होने का एहसास दिलाएं। ये बताने की कोशिश करें कि वह आपकी जिंदगी में कितने महत्वपूर्ण है।

पेरेंट्स को लेकर संवेदनशील बनें

उनके प्रति अपने प्यार को हमेशा जताएं। उन्हें बताएं कि वे कितने महत्वपूर्ण है। जैसे अगर वह सीढ़ियों पर चढ़ रहे हैं, तो उनका हाथ थाम लें ताकि उन्हें सुरक्षा और फ्रिक का एहसास हो। अगर वे आपसे पूछें कि क्या वे अब उतने सुंदर नहीं रहे, तो उन्हें बताएं कि वे आपके लिए कितने सुंदर और खूबसूरत है। उन्हें बाहर घूमने ले जाएं और उनके साथ शोपिंग करें और नए कपड़े खरीदें। मतलब उनकी पसंद का काम करने की कोशिश करें। भले आपको वो काम पसंद न हो।

गर्मियों में इन आटे की रोटियां खाने से मिलेंगे कई फायदे, ठंडी होती है तासीर

जिस तरह से सर्दियों में गर्म तासीर के खाद्य पदार्थों का सेवन करना फायदेमंद होता है, ठीक उसी तरह गर्मी के मौसम में ठंडी तासीर के फूड्स को महत्व दिया जाना चाहिए। ताकि गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडा रखा जा सके, पेट की गर्मी को शांत किया जा सका। वैसे तो गर्मियों में लोग शरीर को ठंडा रखने के लिए तरह-तरह के खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं, लेकिन रोटी एक ऐसा आहार है जिसे दिन में 1 या 2 बार हर कोई खाता ही है। सर्दियों में रागी, बाजरा, कुट्टू आदि से बनी रोटियों का सेवन किया जाता है। लेकिन गर्मियों में भी आपको आटा बदलने की जरूरत होती है। गर्मियों में आपको ठंडी तासीर वाले आटे से बनी रोटियों का सेवन करना चाहिए। इससे पेट में गर्मी नहीं बनेगी, आपको हल्का और अच्छा महसूस होगा। चलिए जानते हैं गर्मियों में कौन-कौन से आटे की बनी रोटियां खानी चाहिए।

गेहूं का आटा : वैसे तो अधिकतर लोग गेहूं से बनी रोटियां ही खाते हैं। लेकिन सर्दियों में इसकी जगह बाजरा, मक्का आदि की रोटियां खाना पसंद करते हैं। अब गर्मी का मौसम आ गया है, तो आप दोबारा से गेहूं की रोटियों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। गेहूं की तासीर ठंडी होती है, इसलिए गर्मियों में इसका सेवन किया जा सकता है। गेहूं का आटा पोषक तत्वों से भरपूर होता है। चोकर वाला गेहूं खाने से पाचन क्रिया में सुधार होता है। गेहूं के गुण रक्त को भी साफ करते हैं। गेहूं में फाइबर अधिक होता है, जो वटन घटाने में कारगर होता है। थायराइड रोगियों के लिए भी गेहूं का आटा फायदेमंद होता है।

चने का आटा : गर्मियों में चने के आटे से बनी रोटियां भी खाई जा सकती हैं। चने के आटे की तासीर ठंडी होती है, इसलिए यह गर्मी के मौसम के अनुकूल होती है। चने के आटे में प्रोटीन अधिक होता है। 1 कप चने के आटे में करीब 20 ग्राम प्रोटीन होता है। चने का आटा मांसपेशियों का निर्माण करने, वजन को कंट्रोल रखने में भी सहायक होता है। अधिकतर लोग बेसन को ही चने का आटा समझ लेते हैं, लेकिन ये बेसन और चने का आटा एक-दूसरे से अलग होते हैं। बेसन को रिफाइन किया जाता है, इससे इसका सारा फाइबर निकल जाता है। वही आटे को छिलके सहित पीसा जाता है, यह बेसन से मोटा होता है और इसमें फाइबर भी भरपूर होता है।

जौ का आटा : गर्मियों में अधिकतर लोग पेट को ठंडा रखने के लिए जौ का पानी पीते हैं। लेकिन आप चाहें तो जौ को पीसकर इसका आटा भी तैयार कर सकते हैं, गर्मियों में इसकी रोटियां बना सकते हैं। गर्मियों में जौ को इसलिए फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि इसकी तासीर ठंडी होती है। साथ ही जौ पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है। जौ के आटे से बनी रोटियां खाने से पेट से संबंधित समस्याएं दूर होती हैं। जौ ठंडा होता है, इसलिए यह गर्मी से होने वाले कील मुहांसों से भी बचाता है। डायबिटीज रोगियों के लिए भी जौ की रोटियां लाभकारी होती है।

ज्वार का आटा : ज्वार में पोषक तत्व होते हैं। ज्वार प्रोटीन, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स और मिनरल्स से भरपूर होता है। इसके अलावा ज्वार में पोटैशियम, फॉस्फोरस, कैल्शियम और आयरन भी होता है। ज्वार की तासीर ठंडी होती है, इसलिए पित्त प्रकृति के लोग भी इसकी रोटियां खा सकते हैं। वात के लोगों को इसका सेवन डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए। ज्वार का आटा पित्त और कफ को शांत करता है। ज्वार में कैलोरी कम होती है, पोषण अधिक होता है। इससे वजन घटाने में मदद मिलती है। ज्वार के आटे की रोटियां खाने से थकान दूर होती है, शरीर को बल मिलता है।

RNI NO. RAJHIN/2013/52026
POSTAL REG NO. TONK/49/2022-24
दैनिक बढ़ता राजस्थान

जयपुर में रेव पार्टी करते मिले 150 युवक-युवतियां

दिल्ली हाईवे के रिसॉर्ट पर मारी रेड, रिसॉर्ट संचालक और पार्टी करवाने वाला गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। जयपुर में पुलिस ने देर रात रेव पार्टी पर रेड मारी। यहां 150 से अधिक युवक-युवती नशे की हालत में मिले। अवैध शराब और स्मैक बरामद की गई। रेव पार्टी दिल्ली जयपुर हाईवे पर गांव लबाना में स्थित स्टोरीज आर्गेनिक फार्म पर चल रही थी। पुलिस ने मौके से रिसॉर्ट संचालक संजय लुहाड़िया (49) और रेव पार्टी के आयोजक हर्षवर्धन कुमार सैनी (30) को गिरफ्तार किया है। वहीं, पुलिस ने 63 युवक-युवतियों का कोटपा एक्ट में चालान काट कर छोड़ दिया। बाकी को बिना कार्रवाई के छोड़ दिया। मौके से 17 शराब की बोतल, 506 बीयर की बोतल और स्मैक 13.29 ग्राम जब्त की गई। जयपुर ग्रामीण एसपी आनन्द शर्मा ने बताया-जयपुर ग्रामीण मे नशा बेचने और पिलाने वालों के खिलाफ ऑपरेशन नॉक आउट चलाया जा रहा है। इस ऑपरेशन के दौरान कई बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इस दौरान डीएसटी टीम जयपुर ग्रामीण को सूचना मिली की थी की रेव पार्टी का आयोजन किया जा रहा हैं। सूचना पर जयपुर ग्रामीण साईबर सैल आरपीएस खलील अहमद के सुपरविजन में टीम बनाई गई।

रात को रिसॉर्ट में रेड मारी

टीम ने 23 फरवरी की रात 1.30 बजे जयपुर दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर गांव लबाना में स्थित स्टोरीज आर्गेनिक फार्म रिसोर्ट पर दबिश दी। इस दौरान तेज आवाज में गाने बज रहे थे। यहां नशे की हालत में करीब 100-150 युवक-युवतियों को रेव पार्टी करते हुए पकड़ा। इनमें से 63 युवक-युवतियों के चालान काटे। वहीं, रिसोर्ट संचालक संजय लुहाड़िया और रेव पार्टी आयोजन कर्ता हर्षवर्धन को अवैध मादक पदार्थ स्मैक, अवैध शराब अवैध हुक्का के साथ गिरफ्तार किया गया।

थरूर बोले-कोई अज्ञानता में खुश हो तो बुद्धिमानी दिखाना मूर्खता : राहुल से मुलाकात कर कहा था- बहसों में बोलने नहीं मिलता, इग्नोर किया जा रहा

नई दिल्ली।

केरल में पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों की तारीफ के बाद कांग्रेस नेता शशि थरूर और पार्टी के बीच अनबन बढ़ गई है। इस बीच थरूर ने शनिवार को सोशल मीडिया ट्वीटर पर एक पोस्ट करते हुए लिखा बुद्धिमान होना कभी-कभी मूर्खता कहलाती है। थरूर ने अंग्रेजी कवि थॉमस ग्रे की कविता ओड ऑन ए डिस्टेंट प्रॉस्पेक्ट ऑफ ईटन कॉलेज का एक कोट शेयर किया था। इसमें लिखा था- जहां लोगों को अज्ञानता में खुशी मिलती है, वहां बुद्धिमानी दिखाना मूर्खता है। शशि थरूर ने 18 फरवरी को दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने पार्टी में किनारे किए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, मुझे संसद में महत्वपूर्ण बहसों में बोलने का मौका नहीं मिलता।पार्टी में मुझे इग्नोर किया जा रहा है।

तमिलनाडु में रेलवे स्टेशन का हिंदी नाम मिटाया

सीएम स्टालिन बोले- केंद्र 10 हजार करोड़ दे तब भी न्यू एजुकेशन पॉलिसी लागू नहीं करेंगे

बढ़ता राजस्थान

मद्रास (एजेंसी)। केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार के बीच ट्राई लैंग्वेज वॉर जारी है। रविवार को कोयंबटूर के पोलाची रेलवे स्टेशन के बोर्ड पर स्टेशन के हिंदी नाम को छ्रब्य कार्यकर्ताओं काले रंग से मिटाया। इससे पहले सीएम एमके स्टालिन ने शनिवार को केंद्र सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने तमिलनाडु अभिभावक-शिक्षक संघ के कार्यक्रम में कहा कि न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर साइन करने के लिए केंद्र सरकार 2 हजार या 10 हजार करोड़ ही क्यों न दे दे, मैं साइन नहीं करूंगा। उन्होंने कहा था कि अगर राज्य ने 2 हजार करोड़ रुपए के लिए अपने अधिकार छोड़ दिए तो तमिल समाज 2 हजार साल पीछे चला जाएगा। मुथुवेल करुणानिधि स्टालिन कभी ऐसा पाप नहीं करेगा। स्टालिन ने कहा- द्रविड़ आंदोलन 85 साल से तमिल की रक्षा के लिए लड़ रहा है। पिछले 75 सालों में भारत में 52 भाषाएं खत्म हो गई और अकेले हिंदी पट्टी में 25 भाषाएं विलुप्त हो गई। जिन राज्यों ने हिंदी के वर्चस्व के कारण अपनी मूल भाषाएं खो दी, उन्हें अब सच्चाई का एहसास हो रहा है।

जयपुर में आईपीएल मैच खेल परिषद करवाएगा

जयदीप बिहाणी बोले- खेल मंत्री ने स्पष्ट कर दिया है, हम सहयोगी के तौर पर उनकी मदद करेंगे

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में खेल परिषद के नेतृत्व में ही इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले का आयोजन किया जाएगा। रविवार को जयपुर में एडहॉक कमेटी की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी के कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने इसकी घोषणा की। जयदीप बिहाणी ने कहा कि खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने स्पष्ट कर दिया है कि राजस्थान में इस बार इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले का आयोजन खेल परिषद के नेतृत्व में किया जाएगा। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन भी मंत्री के अधीन ही आती है। ऐसे में हम उनके निर्णय का स्वागत करेंगे। इसके साथ ही जहां भी राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की मदद चाहिए कि हम सहयोगी के तौर पर उनकी मदद करेंगे। जयदीप बिहाणी ने कहा- पिछली बार राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में काफी विवाद चल रहा था। उस वक्त एडहॉक कमेटी का गठन होते ही इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले का आयोजन भी किया जाना था, लेकिन तब हम कागजी कार्यवाही में ही उलझे रहे। उस वक्त सवाई मानसिंह स्टेडियम का एमओयू भी खत्म हो गया। जो हमारे लिए सबसे बड़ा माइनस प्वाइंट साबित हो रहा है। उसी वजह से आरसीए एडहॉक कमेटी इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले नहीं करवा पा रही है।

कुछ नेता हमारे पर्व-परंपरा को गाली देते हैं : मोदी

कहा- मैंने पर्ची निकाली, धीरेंद्र शास्त्री की मां के मन में इनके ब्याह की बात चल रही

बढ़ता राजस्थान

खजुराहो/छतरपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बागेश्वर धाम में कहा- नेताओं का एक दल ऐसा है, जो धर्म का मखौल उड़ाता है। ये हमारे पर्व और परंपराओं को गाली देते रहते हैं। हिंदू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी भेष में रहते रहे हैं। ये हमारी मान्यताओं, संस्कृति और मंदिरों पर हमला करते रहते हैं। विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम में बालाजी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर का डिजिटल शिलान्यास किया। इससे पहले धीरेंद्र शास्त्री ने पीएम नरेंद्र मोदी को बालाजी का विग्रह भेंट किया। उन्होंने सनातन धर्म पर लिखी किताब और स्मृति चिह्न भी भेंट किया। पीएम ने बागेश्वर धाम में बालाजी के दर्शन भी किए।

पीएम मोदी ने बताया कि उन्होंने पंडित धीरेंद्र शास्त्री की माता जी की पर्ची निकाली। इसके बारे में धीरेंद्र शास्त्री ने मंच पर कहा कि प्रधानमंत्री जी माता जी से कह रहे थे कि आपके मन में ब्याह की बात चल रही है।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हमने माता जी के प्रति प्रधानमंत्री मोदी जी का भाव देखा तो प्रण लिया कि प्रधानमंत्री जी की माता जी के नाम से इस अस्पताल में एक वार्ड बनाया जाएगा।

कैंसर से सुरक्षा के लिए सावधान और जागरूक होना पड़ेगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि कैंसर से सुरक्षा के लिए आपको भी सावधान और जागरूक होना पड़ेगा। समय से कैंसर की पड़ताल हो। एक बार कैंसर फैल गया तो ठीक करना मुश्किल हो जाता है। थोड़ी सी भी शंका हो तो जांच करानी है। कैंसर किसी को छूने से नहीं होता है। ये छुआछूत की बीमारी नहीं है। कैंसर का खतरा, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, तंबाकू और मसाले से बढ़ता है। इसलिए कैंसर फैलाने वाले इन सब नशे से आपको दूर रहा है। औरों को भी दूर रखना है।

मोदी बोले- मैंने आज पहली पर्ची निकाली

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं हनुमान दादा के चरणों में आया तो मुझे लगा क्या ये धीरेंद्र शास्त्री अकेले ही पर्ची निकालेंगे या मैं निकाल पाऊंगा। मैंने देखा कि आज हनुमान दादा की मुझ पर कृपा होती है या नहीं होती है, तो हनुमान दादा जी ने मुझे आशीर्वाद दिया और मैंने आज पहली पर्ची निकाली, उनकी माता जी की पर्ची निकाली। जिसकी बात शास्त्री जी ने बता दी। दरअसल, इससे पहले धीरेंद्र शास्त्री ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री से कहा था कि हमारे ब्याह में भले ही आप न आ पाए, लेकिन अस्पताल के उद्घाटन में जरूर आइएगा। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था कि माननीय प्रधानमंत्री जी जब हमारी माता जी से मिल रहे थे, तो तो कह रहे थे कि माता जी हम तुम्हारी पर्ची खोल रहे। माता जी से कह रहे थे कि अब तुम्हारे मन में चल रहा है कि ब्याह हो जाए। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हमने माता जी के प्रति प्रधानमंत्री मोदी जी का भाव देखा तो प्रण लिया कि माननीय प्रधानमंत्री जी की माता जी के नाम से इस अस्पताल में एक वार्ड बनाया जाएगा।

दिल्ली विधानसभा में आतिशी विपक्ष की नेता होंगी

आप विधायक दल ने पूर्व सीएम को चुना

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री और कालकाजी से विधायक आतिशी विधानसभा में विपक्ष की नेता होंगी। आम आदमी पार्टी की रविवार को हुई विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक में अरविंद केजरीवाल के अलावा पार्टी के सभी 22 विधायक मौजूद थे। यह पहली बार है जब दिल्ली विधानसभा में कोई महिला विपक्ष की नेता बनी हैं।

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- विपक्ष के नाते आम आदमी पार्टी भाजपा सरकार से सारे वादे पूरे करवाएगी। प्रधानमंत्री द्वारा महिलाओं को 2500 देने का वादा पूरा करवाना हमारी प्राथमिकता होगी। वहीं केजरीवाल ने आतिशी को विपक्ष का नेता चुने जाने पर बधाई दी।

विधानसभा का सत्र 24 से 27 फरवरी तक दिल्ली विधानसभा का सत्र 24 फरवरी से शुरू हो रहा है। यह 27 फरवरी तक चलेगा। 26 को शिवरात्रि की वजह से छुट्टी रहेगी। पहले दिन प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली शपथ लेंगे। उसके बाद वे विधायकों को शपथ दिलाएंगे। इसी सत्र में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर चुना जाएगा। रोहिणी से भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता का स्पीकर बनना लगभग तय है। वहीं मोहन सिंह बिष्ट को डिप्टी स्पीकर बनाया जा सकता है। विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को सीएम रेखा गुप्ता से मुलाकात की थी।

गुप्ता ने कहा था कि 25 फरवरी को विधानसभा में सीएजी की सभी 14 पेंडिंग रिपोर्ट पेश होंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि आप सरकार की गलत शराब नीति से दिल्ली को 2026 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

इंदिरा-गांधी पर टिप्पणी के खिलाफ कांग्रेस का विधानसभा घेराव आज

विपक्षी विधायकों का सदन में तीन दिन से चल रहा धरना

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत 6 विधायकों के निलंबन के बाद बना गतिरोध बरकरार है। रविवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में सोमवार को विधानसभा का घेराव करने की घोषणा की गई। प्रदेश कांग्रेस ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी है।

जिलों से भीड़ लाने को कहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी में कंट्रोल रूम बनाकर सभी जिलों को कॉल किए जा रहे हैं। जयपुर के आसपास के जिलों को ज्यादा भीड़ लाने का टारगेट दिया है। विधायकों के निलंबन के खिलाफ शनिवार को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस ने विरोध-प्रदर्शन किए और पुतले जलाए थे।

इधर, सदन में तीन दिन रविवार को भी विपक्षी विधायकों का धरना जारी रहा। मंत्रियों के साथ दो दौर की वार्ता विफल रही। कांग्रेस विधायक निलंबन बहाली, इंदिरा गांधी पर टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटाने और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत के माफी मांगने की मांग पर अड़े हुए हैं।

वहीं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- हमने प्रतिपक्ष के साथियों से बात की है। हम चाहते हैं सदन चले। कांग्रेस अपनी हठधर्मिता को छोड़े, अपनी गलती का एहसास करें।

यहां से शुरू हुआ था विवाद

विधानसभा में 21 फरवरी को प्रश्नकाल के दौरान सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत की इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी पर कांग्रेस ने वैल में आकर हंगामा किया था। अविनाश गहलोत ने सवाल के जवाब में कहा था कि 2023-24 में आपकी दादी इंदिरा गांधी के नाम पर योजना का नाम रखा था। मंत्री की इस टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस विधायकों ने वैल में आकर हंगामा किया था। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा था कि दादी सम्मानित शब्द है। पटेल बोल रहे थे इसी दौरान हंगामा बढ़ गया था। कांग्रेस विधायक स्पीकर की टेबल तक पहुंचने लगे थे। इसी दौरान स्पीकर ने सदन की कार्यवाही को आधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया था। इस मुद्दे पर बने गतिरोध के कारण सदन की कार्यवाही चार बार स्थगित हुई थी। मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कांग्रेस विधायकों के सस्पेंड का प्रस्ताव रखा था।स्पीकर वासुदेव देवनानी ने गोविंद सिंह डोटासरा, उप नेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन गैसावत, हाकम अली खान और संजय कुमार को बजट सत्र की बची हुई अवधि के लिए निलंबित कर दिया।

कहां पर उलझी बात

टिप्पणी के बाद हुए हंगामे में डोटासरा और छह कांग्रेस विधायक विधानसभा स्पीकर के सामने टेबल तक पहुंच गए थे। हाथों से आक्रामक इशारे कर रहे थे। वासुदेव देवनानी ने इसे स्पीकर का अपमान और सदन के अनुशासन भंग करने से जोड़कर गलत बताया। निलंबन का आधार भी यही था।

जानकारी के अनुसार, स्पीकर चाहते हैं कि पहले गोविंद सिंह डोटासरा माफी मांगे। उसके बाद आगे की बात हो। उधर कांग्रेस पहले मंत्री से माफी मंगवाने की बात कर रही है। इसी पर गतिरोध बना हुआ है।

इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी को विधानसभा की कार्यवाही से हटाने पर संसदीय कार्य मंत्री ने सहमति जताई है। मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि अगर उन्हें किसी शब्द से आपत्ति है, तो वह सदन की कार्यवाही से हट जाएगा, लेकिन सदन की कार्यवाही बाधित करना गलत है।

राजस्थान में लौटी ठंड, पारा 10 से नीचे आया

फरवरी के आखिर में बदलेगा मौसम, बारिश की संभावना

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। उत्तर भारत से आ रही सर्द हवा ने राजस्थान में सर्दी बढ़ा दी है। लगातार दूसरे दिन कई शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। दिन में भी कई शहरों में ठंडी हवा का असर रहा। इससे अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक भी नहीं पहुंचा।

इन उत्तरी हवा का प्रभाव 24 फरवरी तक रहेगा। 25 फरवरी से हवा की दिशा बदलेगी और पश्चिमी हवा चलने लगेगी। इससे तापमान में एक बार फिर बढ़ोतरी होने लगेगी। 27, 28 फरवरी ओर 1 मार्च को हल्की बारिश की संभावना है।

पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश का मौसम ड्राय रहा। फतेहपुर, हनुमानगढ़, अलवर, सीकर के एरिया में दिन में भी हल्की सर्द हवा चली। इन शहरों में शनिवार को तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक भी नहीं पहुंचा।

सबसे ज्यादा तापमान कल बाड़मेर जिले में 33.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जालोर में 32.7 डिग्री सेल्सियस, डूंगरपुर में 32.4, जोधपुर में 30.5, चित्तौड़गढ़ में 31.5, भीलवाड़ा में 29.5, अजमेर में 28.7, जयपुर में 26.6, कोटा में 27.5, उदयपुर में 28.8 और बीकानेर में अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

शेखावाटी में सर्दी तेज हुई

उत्तर भारत से आ रही सर्द हवा का सबसे ज्यादा असर शेखावाटी के चूरू, सीकर, झुंझुनूं, फतेहपुर (सीकर) के एरिया में रहा। फतेहपुर में कल सबसे ज्यादा सर्दी रही, जहां न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। चूरू में न्यूनतम तापमान 10.7, सीकर में 10.5 और पिलानी में 10.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

पंजाबी अभिनेत्री सोनिया मन आप में शामिल हुईं

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाबी अभिनेत्री और कीर्ति किसान यूनियन के नेता बलदेव सिंह की बेटी सोनिया मान आम आदमी पार्टी में शामिल हो गई हैं। सोनिया मान रविवार को पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आप में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम की तस्वीरें आम आदमी पार्टी के एक्स हैंडल पर शेयर की गई हैं।आम आदमी पार्टी ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, आम आदमी पार्टी परिवार का बढ़ता कारवां! पंजाबी अभिनेत्री व कीर्ति किसान यूनियन के नेता स. बलदेव सिंह जी की बेटी सोनिया मान ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।पंजाबी अभिनेत्री व कीर्ति किसान यूनियन के नेता स. बलदेव सिंह जी की बेटी सोनिया मान

ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एट अरविंद केजरीवालल जी के नेतृत्व में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आप की पंजाब इकाई ने पार्टी के नए सदस्य का स्वागत करने के लिए एक्स का सहारा लिया, कीर्ति किसान यूनियन के नेता एस बलदेव सिंह जी की बेटी और पंजाबी अभिनेत्री सोनिया मान राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी में शामिल हुईं।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस

दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही

कलर एवं ब्लैक मुद्रण | किफायती मुद्रण लागत

Printing Press
- Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021

Office
- Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
- 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795

Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं राजकीय महाविद्यालय के पास एन एच-12,बाईपास निवाई टोंक (राज.) से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*।
प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888 टोंक कार्यालय मो.नं. 9414823448 प्रधान कार्यालय :185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर (राज.) फोन नं.0141-2796794,2796795,
E-Mail-badhatarajasthan@yahoo.com, *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर महानगर होगा)